संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 85
पृष्ठ 8
शुक्रवार
12 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- चेहरे पर रेगुलर घी लगाने से....

विचार- निर्यात के बाजार में अब हमें नए...

खेल- क्या कोहली-रोहित की सैलरी से कटेंगे...

सीएम योगी का जनता दर्शन, बोले-

हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन, गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 300 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और

एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। ध्यान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। जनता दर्शन में एक महिला ने आवास की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिलाया जाएगा। इसे लेकर उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित भी किया। कहा कि सरकार की मंशा है कि हर जरूरतमंद के पास पक्का आवास हो। जनता दर्शन में एक महिला ने अपने पति की बीमारी में इलाज के लिए मदद की गुहार लगाई। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला को आश्वस्त किया कि वह अपने पति का अच्छे से इलाज कराएं, पैसे की व्यवस्था विवेकाधीन कोष से करा दी जाएगी। इलाज में आर्थिक मदद मांगने कई अन्य लोग भी आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस को निर्देश दिया कि यदि कोई दबंग किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। एक महिला ने अपनी ही जमीन पर काबिज होने के संबंध में कुछ लोगों द्वारा व्यवधान उत्पन्न करने की समस्या पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि महिला को उनकी जमीन पर कब्जा दिलाया जाए।

राज्यसभा में बोलीं सुधा मूर्ति, कहा-

सामाजिक नवाचार करने वाले लोगों को सराहना की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा की मनोनीत सदस्य सुधा मूर्ति ने गुरुवार को कहा कि हम तकनीकी उपलब्धियों की तो खूब सराहना करते हैं, लेकिन वहीं समाज की रोजमर्रा की समस्याओं का हल निकालने वाले असली नवाचार करने वालों को पहचान नहीं मिल पाती। उन्होंने जोर देकर कहा कि सामाजिक नवाचार करने वाले लोग, जो आम लोगों की जिंदगी आसान बनाने के लिए नए तरीके और समाधान खोजते हैं, उन्हें भी उतनी ही अहमियत और सम्मान मिलना चाहिए। उनका काम सीधे समाज की भलाई से जुड़ा होता है। शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए मूर्ति ने कहा कि इडली ग्राइंडर जैसे नवाचारों ने जीवन को बदल दिया है, विशेष रूप से महिलाओं के जीवन को,

फिर भी उनके आविष्कारकों को काफी हद तक भुला दिया गया है। आगे उन्होंने कहा, ष्जब आप कोई तकनीकी नवाचार करते हैं, तो आपकी उपलब्धियों के लिए आपका सम्मान किया जाता है, आपको पुरस्कार मिलता है, लोग ताली बजाते हैं, लेकिन जब अन्य उपलब्धियों की बात आती है, तो लोग परवाह नहीं करते। वैश्विक उदाहरणों की करते हुए मूर्ति ने क्यूआर कोड के जापानी आविष्कारक का हवाला दिया, जिन्होंने अपने नवाचार का पेटेंट नहीं कराने का विकल्प चुना, जिससे यह दुनिया भर में स्वतंत्र रूप से उपलब्ध हो गया। उनका कहना था कि इसे मुफ्त में उपलब्ध कराया जाना चाहिए। लेकिन उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय (बहुत से लोगों के कल्याण और सुख के लिए)। मनोनीत सदस्य ने कहा कि अगर सरकार ने विभिन्न श्रेणियों में कई पुरस्कार स्थापित किए हैं।

चुनाव आयोग पर बरसीं सीएम ममता

जिलाधिकारी के काम की निगरानी के लिए भाजपा समर्थक अफसर भेजने के आरोप

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कृष्णानगर में आयोजित एक रैली में आरोप लगाया कि चुनाव आयोग (ईसीआई) दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थक अधिकारियों को भेज रहा है, ताकि मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान जिलाधिकारी के काम पर रखें। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कोलकाता में हाल ही में हुए कार्यक्रम में फूड वेंडर्स पर हमले की भी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह उत्तर प्रदेश नहीं है और ऐसे कृत्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने फूड वेंडर्स को मारा... हमने कल रात सभी को गिरफ्तार कर लिया। ममता ने कहा कि कौन शाकाहारी या मांसाहारी भोजन करेगा, यह भाजपा तय नहीं कर सकती, यह व्यक्तिगत चुनाव है। उन्होंने कोलकाता में हाल ही में हुए विशाल गीता पाठ को लेकर

कहा कि हम सब गीता पढ़ते हैं, इसके लिए किसी सभा की जरूरत क्या है। उन्होंने भाजपा पर राज्य में सांप्रदायिक विभाजन की संस्कृति लाने का आरोप लगाया। बनर्जी ने कहा, मैं सांप्रदायिक बंटवारे में भरोसा नहीं करती। मैं सभी धर्मों के साथ चलना चाहती हूं। सिर्फ गीता पढ़ने के लिए सार्वजनिक सभा करने की क्या जरूरत है? जो लोग भगवान से प्रार्थना करते हैं या अल्लाह से आशीर्वाद मांगते हैं, वह अपने दिल में करते हैं। उन्होंने उन लोगों पर भी तंज कसा जो कथित तौर पर राजनीतिक लाभ के लिए धार्मिक ग्रंथों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा, मैं उनसे पूछना चाहती हूं जो गीता, गीता का जाप कर रहे हैं, श्री कृष्ण ने धर्म के बारे में क्या कहा? धर्म का मतलब है पालन करना, न कि विभाजित करना। वे पश्चिम बंगाल को नष्ट करना चाहते हैं। वे राज्य पर कब्जा करना चाहते हैं और लोगों को बंगाली बोलने से रोकना चाहते हैं।

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला

पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में बढ़ी एसआईआर की समय सीमा

नई दिल्ली,एजेंसी। चुनाव आयोग आज विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर अहम फैसला लिया है। जानकारी के मुताबिक, चुनाव आयोग ने पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में एसआईआर की समय सीमा को बढ़ाया है। जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में 26 दिसंबर तक एसआईआर प्रक्रिया की समयसीमा को बढ़ाई गई है। वहीं, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अंडमान निकोबार में 18 दिसंबर तक ये प्रक्रिया जारी रहेगी। तमिलनाडु और गुजरात में 14 दिसंबर तक फॉर्म भरे जाएंगे। आयोग का मानना है कि मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाना प्राथमिकता है, इसलिए अतिरिक्त समय देना आवश्यक हो सकता है।

एसआईआर का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची की सफाई और अद्यतन करना है, जिसमें डुप्लीकेट नाम हटाना, मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम निकालना और नए योग्य मतदाताओं (18 वर्ष से ऊपर) को शामिल करना शामिल है। देशभर में इस प्रक्रिया के जरिए फर्जी मतदान की संभावनाओं को भी कम किया जा रहा है। वर्तमान में एसआईआर का दूसरा चरण जारी है। पहले चरण की शुरुआत बिहार से हुई थी। अब दूसरे चरण में राज्यों में बूथ–स्तर अधिकारियों (बीएलओ) की तरफ से घर–घर जाकर सत्यापन किया जा रहा है। कई बीएलओ शिक्षक या सरकारी कर्मचारी होते हैं, जिसके कारण सीमित समय में पूरे क्षेत्र का सत्यापन करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है।

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बुधवार को कहा कि राज्य ने भारतीय निर्वाचन आयोग से मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को पूरा करने के लिए दो और सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया है। एक प्रेस बयान में, नवदीप रिणवा ने कहा कि यह विस्तार इसलिए मांगा गया था ताकि जिला चुनाव अधिकारी मृत मतदाताओं, अन्य स्थानों पर स्थानांतरित हो चुके मतदाताओं और लापता मतदाताओं की प्रविष्टियों का पुनः सत्यापन कर सकें। उनके अनुसार, अब तक 99.24 प्रतिशत जनगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण हो चुका है। राज्य भर में 4 नवंबर से एसआईआर अभ्यास चल रहा है।

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) की समयसीमा में संशोधन किया है और अंतिम

प्रकाशन की तिथि को पहले की निर्धारित तिथि से बदलकर 14 फरवरी, 2026 कर दिया है। बुधवार को जारी एक आधिकारिक आदेश में, चुनाव आयोग ने कहा कि बड़े पैमाने पर जनगणना कार्य और राज्य भर में मतदान केंद्रों के उचित सत्यापन और युक्तिकरण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विस्तार प्रदान किया गया है। चुनाव आयोग की तरफ से जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, बूथ स्तर के अधिकारियों की तरफ से घर–घर जाकर की जाने वाली जनगणना आज, 11 दिसंबर, 2025 को समाप्त हो जाएगी। मतदाता सूची का मसौदा 16 दिसंबर, 2025 को प्रकाशित किया जाएगा, जिसके बाद नागरिक 16 दिसंबर, 2025 और 15 जनवरी, 2026 के बीच दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं। दावों, आपत्तियों का निपटारा और विशेष सत्यापन अभियान 7 फरवरी, 2026 तक जारी रहेगा, साथ ही मतदान केंद्रों का युक्तिकरण भी उसी तिथि तक पूरा कर लिया जाएगा।

नक्सलियों ने यूं लूटी 4000 किलो विस्फोटक सामग्री

नई दिल्ली,एजेंसी। नक्सलियों ने ओडिशा के घने जंगल में अपने नेटवर्क के जरिए यह पता लगाया कि विस्फोटक सामग्री से भरा ट्रक कब और कहां से गुजरेगा। वह ट्रक किस खदान का है, ये भी पता कर लिया। तय समय पर दर्जनभर नक्सलियों ने ट्रक को घेर लिया। विस्फोटक सामग्री लूट ली गई। यह विस्फोटक सामग्री 20–20 किलोग्राम के पैकेट में रखी थी। लूटी गई इस सामग्री का इस्तेमाल, सुरक्षा बलों के खिलाफ किया जाना था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने ओडिशा के राउरकेला जिले में एक पत्थर की खदान में लगभग 4,000 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री की लूट के मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। सीपीआई (माओवादी) आतंकी संगठन के सशस्त्र कार्यकर्ताओं द्वारा लूट की वारदात को अंजाम दिया गया था। सभी 11 आरोपियों पर यूए (पी) अधिनियम, बीएनएसएस, शस्त्र अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। जांच के दौरान, एनआईए ने पाया कि ये आरोपी लगभग 200 विस्फोटक पैकेटों की लूट की आपराधिक साजिश, योजना और क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से शामिल थे, जिनमें से प्रत्येक में 20 किलोग्राम विस्फोटक था। 27 मई 2025 को इटमा विस्फोटक स्टेशन से बांको पत्थर की खदान तक विस्फोटक सामग्री ले जाई जा रही थी। वाहन को उसके चालक सहित 10–15 सशस्त्र माओवादियों ने लूट लिया था।

गाय को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने की उठी मांग, राज्यसभा में वंदे मातरम पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। इस सप्ताह संसद के दोनों सदनों में सामान्य कामकाज देखने को मिला है। हालांकि, आज लोकसभा और राज्यसभा दोनों में ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंक झोंक हुई है। राज्यसभा में जहां जेपी नड्डा और मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच में वार–पलटवार हुआ। वहीं, लोकसभा में निशिकांत दुबे की मांग पर जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। लोकसभा ने उन विधेयकों पर विचार कर रही संसदीय समिति का कार्यकाल बृहस्पतिवार को बढ़ा दिया, जिनमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने का प्रावधान है। वहीं, लोकसभा में बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को उस समय एक विचित्र स्थिति से गुजरना पड़ा जब अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों के प्रश्नों का जवाब देते समय उन्हें जेब में

हाथ डाले रखने पर नसीहत दी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में 'नेशनल हेराल्ड' मामले को लेकर कांग्रेस नेतृत्व पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया, जिसका कांग्रेस सदस्यों ने तीखा विरोध किया। सदन में हंगामे के बाद पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने कार्यवाही शाम चार बजकर सात मिनट पर शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने केंद्र सरकार से मांग की कि देश में देसी गायों की नस्लों को संरक्षण देना चाहिए और गाय को 'राष्ट्रमाता' या 'राजमाता' का दर्जा दिया जाना चाहिए। कांग्रेस के उज्ज्वल रमण सिंह ने लोकसभा में शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा, ''गाय राष्ट्रीय पहचान और गौरव का प्रतीक है। देश में देसी गायों की आबादी तेजी से घट रही है। उनकी गरिमा, सम्मान और संरक्षण की तत्काल आवश्यकता है।'' कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण का मुद्दा बृहस्पतिवार को लोकसभा में उठाया और कहा कि सरकार को बहाना बनाना बंद कर, ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया। सदन में कांग्रेस के सचेतक ने कहा, ''दिल्ली में लोग वायु प्रदूषण से इतने परेशान हैं कि सांस नहीं ले पा रहे हैं।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद पर ई–सिगरेट पीने का आरोप लगाया, जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्रवाई की बात कही। ठाकुर ने प्रश्नकाल में हिमाचल प्रदेश से संबंधित पूरक प्रश्न पूछने के दौरान कहा, ''देशभर में ई–सिगरेट पर प्रतिबंध है। सदन में क्या ई–सिगरेट पीने की अनुमति है?'' जब लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने 'नहीं' में जवाब दिया तो ठाकुर ने कहा, ''तृणमूल कांग्रेस के एक सदस्य पिछले कई दिन से सदन में ई–सिगरेट पी रहे हैं।'' हालांकि, भाजपा सांसद ने किसी सदस्य का नाम नहीं लिया। जेपी नड्डा द्वारा वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू पर की गई टिप्पणी के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूछा कि क्या चर्चा का विषय वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है या फिर चर्चा का मुख्य विषय जवाहरलाल नेहरू हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर नड्डा के भाषण के दौरान हस्तक्षेप किया और नेहरू पर वंदे मातरम का अपमान करने का आरोप लगाया। खरगे ने कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि यह बहस वंदे मातरम को लेकर है या पंडित जवाहरलाल नेहरू को लेकर। यहां जो कुछ भी कहा जा रहा है, वह विकृत है और सच नहीं है। राज्यसभा में सदन के नेता ने कहा कि मैं सिर्फ वंदे मातरम की बात कर रहा हूं। अगर जवाहरलाल नेहरू से जुड़ी बातें उन्हें अच्छी नहीं लगतीं, तो मैं क्या कर सकता हूं? समस्या यह है कि शुरू से ही आप लोगों ने भारत की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से समझौता किया है... दुर्गा, सरस्वती, भारत माता और शक्ति इस देश के सभी लोगों के लिए हैं, और सभी को उनमें आस्था है। बीजू जनता दल (बीजद) के राज्यसभा सदस्य मानस रंजन मंगराज ने बृहस्पतिवार को सरकार से आग्रह किया कि दिल्ली में वायु गुणवत्ता सुधरने तक संसद के शीतकालीन और बजट सत्रों को राजधानी से बाहर आयोजित किया जाए। राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने बृहस्पतिवार को दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किए जाने पर खुशी जताते हुए इसे भारत के लिए गौरव की बात बताया। उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति ने भारत के प्रमुख उत्सव दीपावली को बुधवार, 10 दिसम्बर 2025 को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किए जाने का जिक्र किया।

गैस से भरे टैंकर में कार ने मारी टक्कर, रिसाव

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में गुरुवार को कानपुरदृ वाराणसी एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा होते–होते बच गया। दोपहर करीब 11:45 बजे एक अनियंत्रित कार अत्यधिक ज्वलनशील गैस से भरे टैंकर से पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि टैंकर से गैस का तेजी से रिसाव शुरू हो गया। गैस लीक की सूचना मिलते ही आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। हाईवे पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया। एनडीआरएफ, फायर ब्रिगेड , पुलिस टीम मौके पर पहुंची पानी की बौछार कर के गैस लीक पर काबू पाया। करीब 2 घंटे तक हाईवे को दोनों तरफ से बंद कर दिया गया। गैस रिसाव को काबू कर लिया गया है। हादसे में कार चालक को चोट आई है। हादसा सहसों थाना क्षेत्र का है। कानपुर बनारस एक्सप्रेस वे पर अत्यधिक ज्वलनशील गैस से भरी एक टैंकर बनारस की तरफ जा रही थी। सहसों के बेरुई उर्फ अल्पी का पूरा गांव के सामने दिन में करीब 11.45 बजे पीछे से आ रही एक गाड़ी अनियंत्रित होकर गैस से भरे टैंकर से टकरा गई। टकराते ही टैंकर से गैस का रिसाव होना शुरू हो गया। हादसे के बाद चालक तुरंत गाड़ी से उतरकर सुरक्षित स्थान की ओर पहुंच गया।कानपुरदृवाराणसी के सेफ्टी मैनेजर अभिषेक यादव सूचना मिलते ही अपने कर्मचारी के साथ मौके पर पहुंचे। साथ ही एनडीआरएफ, फायर ब्रिगेड , पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर 8 दमकल गाड़ियां पहुंची। बचाव कार्य शुरू किया गया। आसपास के गांवों को किया गया अलर्ट दमकल गाड़ियों ने पानी की बौछार करके गैस के प्रभाव को कम कर दिया। हाईवे के दोनों तरफ से आवागमन को रोक दिया गया। आसपास के गांवों को अलर्ट कर दिया गया। दो घंटे की मशक्कत के बाद गैस रिसाव पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। दो घंटे तक रोका एक्सप्रेसवे हादसा होते ही टैंकर चालक और कार सवार वाहन से उतरकर सुरक्षित स्थान पर चले गए। कार सवार को हल्की चोट आई है। एहतियातन हाईवे के दोनों ओर यातायात करीब दो घंटे तक रोका गया। स्थिति सामान्य होने के बाद पुलिस ने हाइवे मार्ग को चालू कराया गया। समय रहते राहत और बचाव कार्य शुरू होने से बड़ा हादसा टल गया। सेफ्टी मैनेजर अभिषेक यादव ने बताया– फायर ब्रिगेड की टीम, एनडीआरएफ और मैं भी टीम के साथ मौके पर पहुंचा। 8 से अधिक दमकल गाड़ियां हाईवे पर पहुंच गई। बचावकर्मियों ने तत्काल पानी की बौछार शुरू कर गैस के प्रभाव को कम किया। टैंकर को रवाना कर दिया गया है। कार चालक का इलाज चल रहा है।

5 सेकंड में सिगरेट का डब्बा ले उड़े बदमाश

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के झूंसी लाल चौक तिरंगा चौराहे के पास एक चाय की दुकान के सामने से बदमाश पलक झपकते ही मात्र 5 सेकेंड के अंदर सिगरेट के डब्बा से भरा थैला ले उड़े। दो बदमाश पहले से नजर रखे हुए थे, एक गाड़ी पे रखे थैले के पास खड़ा था दूसरा 50 मीटर की दूरी पर खड़ा था। जैसे ही पहले व्यक्ति ने हाथ में थैला लिया, दूसरे बदमाश ने तेजी से स्कूटी आगे किया और दोनों मात्र 5 सेकेंड में लेकर थैला लेकर भाग गए। यह पूरी घटना CCTV कैमरे में कैद हो गई, जिसकी चर्चा पूरे दिन इलाके में रही। प्रयागराज में झूंसी के तिरंगा चौराहा के पास पहलवान TEA स्टॉल के सामने विकास केशरवानी सिगरेट का ऑर्डर ले रहे थे। विकास एक सिगरेट कंपनी में सेल्समैन हैं। वह दुकानों पर ऑर्डर लेकर माल सप्लाई करते हैं। रोज की तरह वह थैला लेकर दुकान पर थे, तभी बदमाशों ने निशाना बनाकर सिगरेट का थैला ले उड़े। पूरी घटना CCTV कैमरे में कैद हो गई। इसके बाद विकास ने 112 पर सूचना दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर FIR दर्ज कर ली है। फिलहाल पुलिस CCTV के आधार पर जांच कर रही है और बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

माघ मेला में अस्थाई बस अड्डे से श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचेंगे

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज माघ मेला में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बिना रुके परिवहन सुविधा देने के लिए उत्तर प्रदेश रोडवेज ने इस बार रिकॉर्ड 3800 बसें चलाने की तैयारी कर ली है। यह संख्या पिछले मेले की तुलना में करीब 1500 बसें अधिक है। रोडवेज प्रशासन का लक्ष्य है कि भीड़ प्रबंधन के साथ श्रद्धालुओं को घाटों तक सुगम और सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराई जाए, वहीं शहरवासियों की रोजमर्रा की आवाजाही भी प्रभावित न हो।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि0/कावि0/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2025/595 दिनांक: 09.12.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/का0वि0/स्टो0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है

निविदा सं0: 230-कावि0-कार्य ठेका-986-2025

कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के ब्रैकिक से सिथियाना बुजुर्ग सेक्शन खंड में कंपोजिट इंसुलेटर (सीडी 1050 मिमी) को पोर्सिलेन इंसुलेटर से बदलने का कार्य (2nd Call)।

अनुमानित लागत: रु. 1,89,82,248.59	बिड सुरक्षा राशि: रु. 2,44,900.00
कार्य अवधि: 12 महीना	बोली प्रणाली: एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 01.01.2026, 14:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 01.01.2026, 15:00 बजे

नोट:- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2375/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 65-विद्युत/सा0/प्रयागराज/25-26 दिनांक: 08.12.2025

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक: 05.01.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है:-

निविदा सूचना संख्या	काम की लागत (रु. में)
ELG-132-2526	3814344.59

कार्य का नाम: "कानपुर में इलसीएस में बुनियादी सुविधाओं के उन्नयन" के कार्य के संबंध में विद्युत कार्य।

बिड सिक्योरिटी (रु. में): 76300.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि: 06 माह

निविदा खुलने की तिथि: 05.01.2026, समय- 15:00 बजे।

नोट: 1. उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2367/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

एसआरएन अस्पताल की महिला डॉक्टर पर एफआईआर

ऑपरेशन में पेट में स्पंज छोड़ने का आरोप, पेशेंट को दोबारा सर्जरी करानी पड़ी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में चिकित्सीय लापरवाही के गंभीर मामले में स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल की डॉक्टर पर थ्प्त् दर्ज हो गई है। प्रतापगढ़ जिले की रन्नो प्रजापति नाम की महिला ने आरोप लगाया था कि मार्च 2024 में हुए ऑपरेशन में डॉक्टर ने उसके पेट के अंदर कॉटन स्पंज छोड़ दिया था, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई और गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई।

रन्नो प्रजापति का पहला ऑपरेशन 8 मार्च 2024 को हुआ था। वह 15 मार्च तक डॉक्टर के निरीक्षण में अस्पताल में भर्ती रहीं। इस दौरान पेट में लगातार दर्द की शिकायत पर भी डॉक्टर ने इसे "गैस की समस्या" बताकर नजरअंदाज कर दिया। 15 मार्च को डॉक्टर के निर्देश पर उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। रिपोर्ट में पेट के अंदर उप•मक मबीवहमदपब उें और 'ळवेलचपइवउं' यानी ऑपरेशन के दौरान छूटे स्पंज की आशंका सामने आई।

हालत बिगड़ने पर 27 जुलाई 2024 को श्याम हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर में उनका दोबारा ऑपरेशन किया गया। परिजनों का कहना है कि इस सर्जरी के दौरान डॉक्टरों ने महिला के पेट से बड़ी मात्रा में कॉटन स्पंज निकाला। पूरा ऑपरेशन वीडियो में रिकॉर्ड हुआ, जिसे महिला ने पेन ड्राइव के साथ अदालत में सौंपा था।

परिवार का आरोप है कि कॉटन स्पंज पेट में रह जाने के कारण गर्भ में ही शिशु की मौत हो गई। महिला की जान भी खतरे में पड़ गई और दोबारा सर्जरी में भारी रकम खर्च करनी पड़ी। महिला ने पहले कोतवाली और फिर पुलिस आयुक्त को शिकायत दी थी। शिकायत पर कार्रवाई न होने पर उन्होंने न्यायालय का रुख किया। अदालत के आदेश पर अब थाना कोतवाली, प्रयागराज में डॉक्टर के खिलाफ थ्प्त् दर्ज कर ली गई है। एफआईआर में डॉक्टर सौम्या सक्सेना के खिलाफ गंभीर लापरवाही, मरीज की जान को खतरे में डालने और ऑपरेशन प्रक्रिया में अनियमितता जैसे आरोप शामिल हैं।

एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है। महिला द्वारा दिए गए ऑपरेशन वीडियो, जांच रिपोर्ट, और मेडिकल दस्तावेज विवेचना में अहम साक्ष्य माने जा रहे हैं।

प्रयागराज के नैनी ब्रिज से व्यक्ति ने लगाई छलांग

मौके पर तैनात जल पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाला, लोगों ने पुलिस की तारीफ की

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में नैनी न्यू ब्रिज से आज दोपहर एक अधेड़ व्यक्ति ने छलांग लगा दी। जिसके बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। मौके पर तैनात जल पुलिस के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जिसके बाद उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया। व्यक्ति की पहचान राशिद खुल्दाबाद के रूप में हुई।

दोपहर करीब 12:30 मिनट पर प्रयागराज के नैनी ब्रिज पर अचानक राशिद पुल पर पहुंचे। जब तक कोई समझ पता उन्होंने छलांग लगा दी। जिससे मौके पर अफरा तफरी मच गयी। वहां मौके पर तैनात जल पुलिस के जवान विशाल यादव और मोहन यादव ने मौके पर मोटर बोट से पहुंचकर तत्परता दिखाते हुए बीच धारा के बीच से बचाकर बाहर निकाला।

जवानों ने उसे बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार दिया और उसके परिवार को सूचना दी।

घटना की जानकारी मिलते ही दलनायक मिथिलेश कुमार राय भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने आगे की कार्रवाई के लिए जल पुलिस प्रभारी और थाना कीडगंज को अवगत कराया। जवानों की इस बहादुरी और तेजी से की गई मदद की वहां मौजूद लोगों ने जमकर प्रशंसा की। लोगों ने कहा– पुलिस ने बहुत जल्दी मदद की, नहीं तो जान जा सकती थी।

रिश्वतखोर बाबू को अरेस्ट कराके डरा शिकायतकर्ता

हमला होते देख सीएम को भेजा पत्र, एंटी करप्शन टीम पर हमला करने वालों की पहचान शुरू

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में एंटी करप्शन टीम के अधिकारियों पर हमला करने वालों की तलाश शुरू हो गई है। पुलिस टीमें सीसीटीवी और वीडियो, फोटो के जरिये हमलावरों की पहचान में जुटी हैं। इस मामले में एंटी करप्शन टीम में शामिल इंस्पेक्टर राकेश बहादुर सिंह की तहरीर पर सिविल लाइंस थाने में 50 अज्ञात हमलावरों पर केस दर्ज हुआ है। इंस्पेक्टर ने अपने बयान में कहा है कि टीम पर हमला कर पुलिस हिरासत से रिश्वत के आरोपी को छुड़ाने की कोशिश हुई।

मामले में एक नया मोड़ भी आया है। एंटी करप्शन टीम पर हमला होते देख रिश्वत मामले की शिकायत करने वाले प्राणेंद्र पांडेय ने सीएम योगी आदित्यनाथ को प्रार्थना पत्र भेजकर सुरक्षा की गुहार लगाई है। प्राणेंद्र की शिकायत पर ही इलाहाबाद विकास प्राधिकरण के बाबू अजय कुमार को पकड़ा गया। अब प्राणेंद्र का कहना है कि पीडीए के भ्रष्ट और रिश्वतखोर कर्मचारियों से उनकी सुरक्षा की जाए। शिकायतकर्ता का कहना है कि इतने बवाल के बाद उसके परिवार के लोग डरे हुए हैं। उन्हें जान का खतरा है, ऐसे में सुरक्षा प्रदान की जाए। प्रयागराज में एंटी करप्शन टीम के अधिकारियों पर मंगलवार को हमला हुआ था। टीम ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण (च्क्।) के एक बाबू को 8 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा। अधिकारी आरोपी बाबू को अपने साथ ले जाने लगे तभी बाबू ने हंगामा कर दिया और शोर मचाने लगा। शोर सुनकर आरोपी के कई साथी कर्मचारी भी वहां पहुंच गए।

रिश्वतखोर बाबू को छुड़ाने के लिए हाथापाई करने लगे। एंटी करप्शन टीम के अधिकारियों पर हमला कर आरोपी बाबू को छुड़ाने की कोशिश हुई। टीम ने विरोध किया तो कर्मचारियों ने उनकी लात–घूंसों से पिटाई कर दी। हालांकि कर्मचारियों के विरोध के बावजूद टीम आरोपी बाबू को पकड़ ले गई। अब पुलिस च्क्। में लगे ब्ब्ज्ट को चेक करके टीम पर हमला करने वालों की पहचान करने में जुटी है।

प्रयागराज में शांतिपुरम के प्राणेश पांडेय के नाम 5 साल पहले च्क्। से लॉटरी के जरिए जमीन का आवंटन हुआ था। लॉकडाउन में नौकरी चली गई। इसलिए रजिस्ट्री के लिए रुपए जुटाने में दिक्कत हुई। अलॉटमेंट के बाद दो महीने तक लेखाधिकारी और बाबू ने फाइल लटकाए रखी। बाद में इस जमीन की रजिस्ट्री के लिए वह PDA कार्यालय पहुंचे थे।

यहां उनकी मुलाकात कनिष्ठ सहायक अजय कुमार से हुई। प्राणेश पांडेय ने बताया कि कनिष्ठ सहायक अजय कुमार ने प्रक्रिया आगे बढ़ाने के नाम पर 10 हजार रुपए की मांग की। परेशान होकर मैंने अखबार में छपे नंबर से एंटी करप्शन ऑर्गेनाइजेशन से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलने पर एंटी करप्शन यूनिट ने पहले शुरुआती जांच की। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर आरोपी बाबू को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनी। इसी के तहत ट्रैप टीम को तैनात किया गया। मंगलवार की दोपहर प्राणेश पांडेय रिश्वत की रकम देने के लिए PDA पहुंचे।

यहां कनिष्ट सहायक अजय कुमार से अपने काम की बात की। अजय कुमार ने रिश्वत की रकम मांगी। शिकायतकर्ता ने उसे पहले आठ हजार रुपए ही देने को कहा। बाकी रकम काम के बाद देने की बात कही। बाबू ने हामी भरी और आठ हजार रुपए ले लिए। इसी दौरान आसपास मौजूद एंटी करप्शन टीम ने आरोपी को मौके पर ही रंगे हाथ पकड़ लिया।

माघ मेले में केमिकल- न्यूक्लियर अटैक भी होगा नाकाम

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज माघ मेला 2026 को सुरक्षित और आपदा–प्रूफ बनाने के लिए तैयारी अब हाई–एंड लेवल पर पहुंच गई है। केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर (CBRN) हमलों जैसी गंभीर स्थितियों से निपटने के लिए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (SDMA) ने मंगलवार को मेला क्षेत्र में मोर्चा संभाल लिया। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष योगेंद्र डिमरी ने मेला प्राधिकरण कार्यालय में जिला प्रशासन, पुलिस और मेला अफसरों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। जल्द ही प्रदेश के 20 जनपदों की आपदा प्रबंधन इकाइयों के साथ एक बड़ी टेबल टॉप एक्सरसाइज आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य किसी भी संभावित केमिकल, न्यूक्लियर या बड़े पैमाने की भीड़ आपदा में विभागों की तत्काल प्रतिक्रिया एवं समन्वय क्षमता का परीक्षण करना है। 3 जनवरी से मेला शुरू होने से पहले ही एक वृहद मॉक ड्रिल मेला क्षेत्र में की जाएगी। इस ड्रिल में सभी विभाग हिस्सा लेंगे और मौके पर ही आपदा से निपटने की तैयारियों की वास्तविक परख होगी। पानी, बिजली, स्वास्थ्य, पुलिस, ट्रैफिक, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, अग्निशमन, रेलवे सहित लगभग दो दर्जन विभागों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार, एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर डॉ. अजयपाल शर्मा, मेलाधिकारी व पीडीए वीसी ऋषि राज, ममेत मेला पुलिस प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। स्वास्थ्य, जल निगम, विद्युत, संचार, नगर निगम, रेलवे, सेना और आपदा प्रबंधन से जुड़े अफसरों ने अपनी–अपनी तैयारियों की जानकारी दी।

कट–ऑफ और अंतिम उत्तर कुंजी अंतिम चयन परिणाम के बाद होगी जारी

प्रयागराज (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने सम्मिलित राज्यध्प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा 2025 की प्रारंभिक परीक्षा के संबंध में एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। इस सूचना में आयोग ने मुख्य रूप से प्रारंभिक परीक्षा में सफल होने वाले अभ्यर्थियों की संख्या और भर्ती प्रक्रिया से संबंधित स्पष्टीकरण दिए हैं। घ्आयोग ने कहा है कि प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम में रिक्तियों की तुलना में 15 गुना अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए सफल घोषित किया जाएगा। यह व्यवस्था आयोग द्वारा पहले से आयोजित की जा रही परीक्षाओं जैसे– पी.सी.एस.जे., ए.सी.एफ.ओध्आर.एफ.ओ., आदि में भी अपनाई जा रही है। घ्इसके अलावा मुख्य परीक्षा के लिए योग्यता प्राप्त करने वाले अंतिम अभ्यर्थी (ब्नज–वि्ंडतो) के समान अंक एक से अधिक अभ्यर्थी प्राप्त करते हैं, तो उन सभी अभ्यर्थियों को भी मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति दी जाएगी। अंतिम चयन परिणाम घोषित होने के बाद ही कट–ऑफ अंक और अंतिम उत्तर कुंजी वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी। प्रारंभिक परीक्षा में सफल एवं असफल दोनों प्रकार के अभ्यर्थियों के प्राप्तांक, कट–ऑफ अंक, एवं अंतिम उत्तर कुंजी आदि की जानकारी अंतिम चयन परिणाम घोषित होने के बाद ही जारी की जाएगी। प्रारंभिक परीक्षा 2025 का परिणाम लगभग एक माह के भीतर घोषित करने का प्रयास किया जाएगा। आयोग ने सूचित किया है कि प्रारंभिकध्मुख्य परीक्षा में उपस्थित न होने वाले तथा ऐसे अभ्यर्थी जिनका अभ्यर्थन कोर्ट केस के कारण निरस्त हुआ है, उनकी संख्या विज्ञापनों की संख्या से अधिक होने के कारण अंतिम चयन परिणाम को प्रभावित नहीं करेगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे किसी भी भ्रम से बचने के लिए आयोग की आधिकारिक वेबसाइट https://uppsc-up-gov-in को नियमित रूप से देखते रहें।

मेला कार्यालय के बाहर तीर्थ पुरोहितों का धरना

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माघ मेले के लिए जमीन आवंटन की प्रक्रिया चल रही है। मेले में जमीन को लेकर विवाद शुरू हो रहा है। 2 दिन पहले ही खाक चौक समिति के कुछ साधु संत धरने पर बैठे थे। अब तीर्थ पुरोहित भी मेला प्राधिकरण कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। प्रयागवाल सभा के बैनरतले धरने पर बैठे तीर्थ पुरोहितों का कहना है कि तीर्थ पुरोहितों की जमीन को सतुआ बाबा को दे दी गई है। तीर्थ पुरोहितों ने आरोप लगाया है कि सतुआ बाबा मुख्यमंत्री के बगल में खड़े होकर, उनके साथ चलकर अफसरों पर दबाव बनाते हैं। मुख्यमंत्री के नाम का दुरुपयोग कर रहे हैं, वो भी बिना उनकी जानकारी के। मेलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों को रखा। प्रयागवाल सभा के अध्यक्ष प्रदीप पांडेय ने कहा, "हम लोग लगातार मेला प्रशासन के अधिकारियों से संपर्क कर अपनी बात रख रहे हैं लेकिन कोई सुध नहीं लिया जा रहा है। सदियों से मेले में कल्पवासी आते हैं उनकी व्यवस्था तीर्थ पुरोहितों को करनी होती है। लेकिन माघ मेले में उन्हें उपेक्षित किया जा रहा है। सतुआ बाबा को जमीन दी गई है वह जमीन हम लोगों को दी जाए।" तीर्थ पुरोहित आशुतोष पालीवाल ने कहा, बिना जानकारी के हम तीर्थ पुरोहितों की जमीन को सतुआ बाबा को दी गई है वह वापस कराई जाए। धीरज कुमार शर्मा ने कहा, हमें सिर्फ मूलभूत सुविधाएं बिजली, शौचालय व नल दिया जाए। बाकी पूरी सुविधाएं तत्काल बंद कर देनी चाहिए, बाकी जो पैसे बचे उसे तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं के लिए खर्च किए जाएं।

गैंगेस्टर एक्ट के तहत फरार आरोपी के घर की कुर्की

प्रयागराज (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई की है। थाना झूंसी पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट से जुड़े गैर–प्रांतीय फरार वांछित अभियुक्त बप्पा शेख के घर कुर्की की नोटिस चस्पा कर मुनादी कराई है। जानकारी के अनुसार आरोपी बप्पा शेख निवासी ग्राम मोहनपुर, थाना वैष्णो नगर, जनपद मालदा, पश्चिम बंगाल पर थाना दारागंज में धारा 2ध्3 उत्तर प्रदेश गिरोहबंदी एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है। अभियुक्त अब तक फरार चल रहा है। थाना झूंसी के थानाध्यक्ष महेश मिश्र ने बताया कि न्यायालय, इलाहाबाद के स्पेशल जज गैंगेस्टर एक्ट के निर्देश के आधार पर आरोपी के खिलाफ धारा 82 सीआरपीसी एवं 84 ठछै के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आरोपी के घर जाकर नोटिस चस्पा किया और डुगडुग्गी पिटाकर मुनादी कराई।इस कार्रवाई से पुलिस ने अपराधियों को साफ संदेश दिया है कि चाहे वह इलाके के बाहर का ही क्यों न हो, सभी अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रयागराज में 18 से 28 दिसंबर तक पुस्तक मेला

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में साहित्य, ज्ञान और पठन–पाठन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रयागराज बुक फेयर द्वारा दस दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 18 से 28 दिसंबर 2025 तक कटरा स्थित द पाम्स रिजॉर्ट में लगेगा। इसका उद्घाटन इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन करेंगे। मेले में प्रवेश पूरी तरह से निशुल्क रहेगा। मेले के संयोजक मनोज सिंह चंदेल ने बताया कि इस वर्ष पुस्तक मेले की थीम शविजन 2047रू विकसित भारत विकसित प्रदेशश रखी गई है। इसका मुख्य उद्देश्य भविष्य के भारत को ज्ञानसम्पन्न और शिक्षित बनाने की दिशा में योगदान देना है। इसी सोच के तहत प्रयागराज बुक फेयर इस बार एक बुक बैंक भी स्थापित कर रहा है। बुक बैंक के माध्यम से पुरानी किताबें दान में ली जाएंगी और उनका एक बड़ा संग्रह तैयार किया जाएगा। यह संग्रह जरूरतमंद पाठकों और छात्रों को बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे शिक्षा और ज्ञान की पहुंच बढ़ेगी। इस वर्ष पुस्तक मेले में बच्चों, किशोरों और वयस्कों के लिए ज्ञानवर्धक और मनोरंजक पुस्तकों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध होगी। विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के लिए नवनीत प्रकाशन तथा देश की लोकप्रिय अमर चित्र कथा प्रमुख आकर्षण बनी रहेंगी, जो बाल साहित्य, चित्र कथाओं और शैक्षणिक पुस्तकों का बड़ा संकलन प्रस्तुत करेंगी।

नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने 64 लाख से खरीदी 5 ट्रैक्टर-ट्रॉलियाँ का किया उद्घाटन

मुजफ्फरनगर। नगर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में मुजफ्फरनगर नगरपालिका ने एक और बड़ा कदम उठाया है। लंबे समय से बढ़ती जनसंख्या और विस्तृत होते शहरी क्षेत्र के बीच सफाई तंत्र को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को 64 लाख रुपये की लागत से खरीदी गई पांच अत्याधुनिक ट्रैक्टर–ट्रॉलियाँ शहरवासियों को समर्पित की गईं। इससे न सिर्फ कूड़ा संग्रहण की गति बढ़ेगी, बल्कि वार्डों में स्वच्छता अभियान को और संगठित रूप मिलेगा।

नगरपालिका परिषद् की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने बृहस्पतिवार सुबह मेरठ रोड स्थित कंपनी बाग पहुंचकर पालिका सभासदों एवं अधिशासी अधिकारी डॉ. प्रज्ञा सिंह के साथ ट्रैक्टरदृट्रॉलियों को हरी झंडी दिखाकर कर्मचारियों के साथ शहर के विभिन्न वार्डों के लिए रवाना किया। 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत प्राप्त ग्रांट से खरीदे गए इन वाहनों पर नगरपालिका परिषद् की ओर से कुल 64 लाख रुपये व्यय किए गए हैं, जो निकाय की सफाई व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

लोकार्पण के दौरान ट्रैक्टरदृट्रॉलियों को कर्मचारियों को सौंपते हुए नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि इन नए वाहनों के माध्यम से शहरी क्षेत्र से कूड़ा परिवहन अधिक तेज, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से किया जा सकेगा। इसके बाद नगरपालिका अध्यक्ष और अधि

ाशासी अधिकारी ने कंपनी बाग का भी विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने पार्क में सफाई की स्थिति, निर्माण कार्यों की प्रगति, पथ–प्रकाश व्यवस्था, पेड़–पौधों के संरक्षण और हरियाली बढ़ाने की योजनाओं की समीक्षा की। अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पार्कों में स्वच्छता और सौंदर्यीकरण पर निरंतर ध्यान दिया जाए, ताकि लोग साफ–सुथरे वातावरण का लाभ उठा सकें।

मीनाक्षी स्वरूप ने इस अवसर पर कहाकृकि स्वच्छता किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे शहर का सामूहिक संकल्प है। नगरपालिका अपनी तरफ से हर आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा रही है, परंतु हमें शहर को एक गारबेज फ्री सिटी बनाने के संकल्प को साधने में असली सफलता तब मिलेगी जब हर नागरिक स्वच्छता को अपना दायित्व समझे। ये नई ट्रैक्टरदृट्रॉलियाँ न केवल सफाई व्यवस्था को गति देंगी, बल्कि मुजफ्फरनगर की सुंदरता और स्वास्थ्य सुरक्षा को भी मजबूत बनाएंगी। हमारा लक्ष्य एक स्वच्छ, हरित और आधुनिक शहर का निर्माण है, और इसमें जनता का सहयोग सबसे महत्वपूर्ण है। नगरपालिका लगातार ऐसे कदम उठाती रहेगी, जिनसे शहर विकास और स्वच्छता के नए मानकों को छुए। हमें इस पहल से पूरी उम्मीद है कि मुजफ्फरनगर की सफाई व्यवस्था में एक नया सकारात्मक बदलाव आएगा और शहरी परिवेश और अधिक स्वच्छ, स्वस्थ और आकर्षक बनेगा। इस दौरान मुख्य रूप से सभासद मौहम्मद खालिद, शौकत अंसारी, अमित पाल, ईओ डॉ. प्रज्ञा सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय प्रताप शाही, सीएसएफआई योगेश गोलियान, एसएफआई प्लाक्षा मैनवाल, वैशाली सोती, लिपिक एसबीएम रूचि शर्मा के अलावा अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

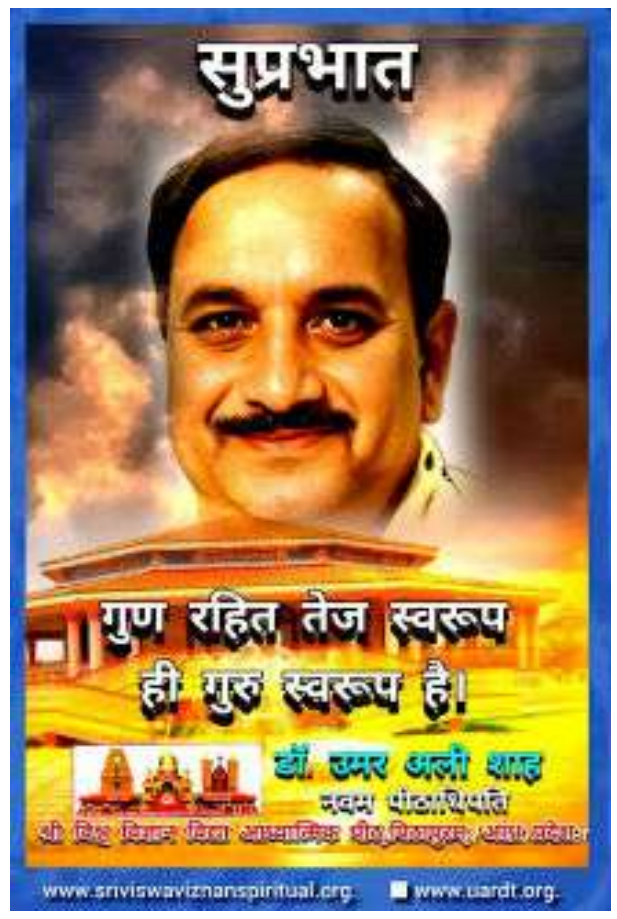

गुलाब का पुष्प

रखिए फूलों की तरह, ईश्वर से संबन्ध।
हँसकर कहा गुलाब ने, भरकर मधुर सुगन्ध।
भरकर मधुर सुगन्ध, प्रेम की गाथा बनते।
हरि का है उपहार, इसी को हरदम कहते।
सुन लो कहें प्रदीप, बात यह सबसे कहिए।
सबका कर कल्याण, अहं से दूरी रखिए।।

देता रचनाकार जब, मौसम अति माकूल।
पंखुरियों में रंग भर, कलियाँ बनती फूल।
कलियाँ बनती फूल, नाम वह नाना रखकर।
खुशबू का संसार, सदा अंतस में भरकर।
सुन लो कहें प्रदीप, हमेशा बन अध्येता।
बन गुलाब का पुष्प, ज्ञान वह जग को देता।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मौलाना यासूब अब्बास ने ऑल इंडिया जमीयत-उल-कुरैशी के जिला प्रेसिडेंट के ऑफिस का उद्घाटन किया

लखनऊ (संवाददाता)। ऑल इंडिया जमीयत–उल–कुरैशी के जिला प्रेसिडेंट चौधरी शहजाद कुरैशी (हाजी अंसार कुरैशी) के बेटे के ऑफिस का उद्घाटन शिया वक्फ बोर्ड के चेयरमैन मौलाना यासूब अब्बास ने किया। शहजाद कुरैशी ने विशेष अतिथि का स्वागत गुलदस्ते और शॉल देकर किया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के विधायक रविदास मेहरोत्रा, सुन्नी मजलिस–ए–अमल के अध्यक्ष मौलाना यासिर फारूकी, सहाबा एक्शन कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अब्दुल वहीद फारूकी, तालकटोरा कब्रिस्तान के मुतवल्ली सैयद फैजी, इंडियन नेशनल लीग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाजी फहीम सिद्दीकी, बिल्लौचपुरा राजाबाजार वार्ड के पार्षद राहुल मिश्रा, समाजसेवी मुहम्मद आफाक, मदरसा मजहर–उल–इस्लाम के मोहतमिम मौलाना मुश्ताक नदवी, राष्ट्रीय भागीदारी आंदोलन के संयोजक पी.सी. कुरील, समाजवादी महिला संघ की प्रदेश सचिव फरहाना, सुरैय्या सिद्दीकी, समाजवादी पार्टी के नेशनल स्पोक्सपर्सन अब्बास हैदर, ऑल इंडिया जमीयत–ए–कुरैश के प्रदेश सचिव चौधरी शादाब कुरैशी, इमामिया एजुकेशनल ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी मौलाना अली हुसैन कुमी रिजवी, दरगाह शाह मीना रह के तख्त निशीन आरिफ बाबा, हाफिज आमिर अहमद, हाफिज खबीखुबैब, फैसल कुरैशी, मुहम्मद ताहिर, मुहम्मद तस्कीन कुरैशी, वगैरह मौजूद थे। आखिर में आए सभी मेहमानों ने शहजाद कुरैशी की हिम्मत बढ़ाई और उम्मीद जताई कि वह आगे भी देश की सेवा के लिए दिल से काम करेंगे।

व्यावसायिक परीक्षा के लिए प्रयोगात्मक परीक्षकों की मैपिंग प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश

लखनऊ (संवाददाता)। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश ने अखिल भारतीय व्यावसायिक परीक्षा, दिसम्बर–2025 ऐनुअल सिस्टम, डवेल सिस्टम आफ ट्रेनिंग की तैयारियों को गति देते हुए जिलाधिकारियों को दिशा–निर्देश जारी किए हैं। प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि लेफ्ट ओवर,सप्लीमेंटरी श्रेणी की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 15 दिसम्बर से 19 दिसम्बर तक आयोजित की जाएंगी। इसके लिए प्रैक्टिकल एग्जामिनर मैपिंग की अनिवार्य समय–सीमा 9 दिसम्बर से 26 दिसम्बर निर्धारित की गई है, जिसे परीक्षा से पूर्व पूर्ण किया जाना है। प्रमुख सचिव ने बताया कि डीजीटी, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार प्रैक्टिकल एग्जामिनर मैपिंग उन परीक्षकों की की जाएगी जो सिद्ध पोर्टल ृापससपदकपंकपहपजंस.हवअ.पद पर विधिवत पंजीकृत हों। यदि किसी जनपद में पंजीकृत परीक्षकों की संख्या पर्याप्त नहीं है, तो नोडल राजकीय आईटीआई की अध्यक्षता में गठित समिति ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करेगी तथा अभ्यर्थियों के शैक्षिक अभिलेख, योग्यता तथा अनुभव की जांच कर अनुमोदन करेगी। इस उद्देश्य से तीन सदस्यीय समिति गठित की गयी है जिसमें जिलाधिकारी द्वारा नामित सदस्य अध्यक्ष नोडल राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का प्रधानाचार्य सदस्य, तथा जनपद के अन्य राजकीय आईटीआई के प्रधानाचार्य वरिष्ठतम कार्यदेशक सदस्य हैं। समिति डीजीटी के निर्धारित मानकों के अनुसार परीक्षकों का चयन करेगी ताकि प्रयोगात्मक परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न हो सके।प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने जिलाधिकारियों को से कहा है कि अधिक से अधिक परीक्षकों को सिद्ध पोर्टल परपंजीकरण हेतु प्रेरित किया जाए तथा परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार मैपिंग की प्रक्रिया निर्धारित समय में पूर्ण की जाए। प्रयोगात्मक परीक्षाओं में किसी प्रकार की देरी या परीक्षकों की कमी न होने पाए, इसके लिए नोडल प्रधानाचार्य समयबद्ध रूप से कार्यवाही करें।

आदर्श व्यापारी एसोसिएशन ने की सुरक्षा बैठक

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के अलीगंज स्थित शेफ बाइट होटल, पुरनिया में आदर्श व्यापारी एसोसिएशन की ओर एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। इस बैठक में व्यापारियों, विशेषकर सर्राफा व्यापारियों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर चर्चा हुई। बैठक में लखनऊ कमिश्नरेट के एडीसीपी नॉर्थ गोपीनाथ सोनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के तौर पर एसीपी अलीगंज और थाना प्रभारी अलीगंज अशोक सोनकर भी मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऑल इंडिया गोल्डस्मिथ एंड जेम्स फेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी और संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी ने की। संगठन के पदाधिकारियों ने पुलिस अधिकारियों का स्वागत किया। इस दौरान ट्रांस गोमती अध्यक्ष शीलू जायसवाल ने सर्राफा व्यापारियों के उत्पीड़न का गंभीर मुद्दा उठाया। इंदिरा नगर अध्यक्ष आकाश अग्रवाल ने प्रमुख बाजारों में पुलिस गश्त बढ़ाने और व्यापारी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।मुंशी पुलिया इकाई अध्यक्ष अविनाश जायसवाल ने बैटरी रिक्शा के कारण होने वाले रोड जाम और अतिक्रमण जैसी समस्याओं पर चिंता व्यक्त की। संरक्षक विजय रस्तोगी ने सुझाव दिया कि व्यापारियों के साथ प्रत्येक माह सभी थानों पर बैठकें आयोजित की जानी चाहिए। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी ने व्यापारी नेता अल्पना गुप्ता मेहरोत्रा और शशि गिरी को संगठन में शामिल किया।

अमित पटपटिया ने उठाई मुजफ्फरनगर-पंजाब ट्रेन कनेक्टिविटी सुधार की मांग

मुजफ्फरनगर। गांधी कॉलोनी के भाजपा सभासद अमित पटपटिया ने सर्दियों में मुजफ्फरनगर से पंजाब जाने वाली ट्रेनों के आंशिक रद्दीकरण और मार्ग परिवर्तन पर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि इससे रोजाना सफर करने वाले यात्रियों को भारी दिक्कत उठानी पड़ रही है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में लोग मुजफ्फरनगर से पंजाब और पंजाब से मुजफ्फरनगर प्रतिदिन काम, व्यापार, पढ़ाई और पारिवारिक कारणों से यात्रा करते हैं। इनके लिए यह रेल मार्ग जीवनरेखा की तरह है, लेकिन सर्दियों में ट्रेनों के शॉर्ट–टर्मिनेशन, डायवर्जन और देरी ने आवाजाही को बेहद प्रभावित कर दिया है।

पटपटिया ने कहा कि सामान्य दिनों में Golden Temple Mail, Chhattisgarh Express जैसी ट्रेनें इस रूट पर निर्बाध चलती रहती हैं और लोगों की सबसे बड़ी सहूलियत होती हैं। लेकिन जैसे–जैसे ठंड बढ़ती है, रेलवे कुछ ट्रेनों को अंबालादृजालंधार खंड में सीमित कर देता है या बीच रास्ते पर रोक देता है। उन्होंने बताया कि इससे वे लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं जिन्हें रोजाना शाम को पंजाब जाना होता है और अगली सुबह कामकाज के लिए मुजफ्फरनगर लौटना होता है। पहले यह रूट सुगम था, लेकिन अब अचानक रद्दीकरण की वजह से यात्रियों की योजना बिगड़ जाती है।

उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब रूट पर कुछ ट्रेनों में सुरक्षा जांच (रेड) के कारण होने वाली देरी भी यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। ऐसी स्थिति में न तो लोग समय से पहुँच पाते हैं और न ही उन्हें यात्रा के दौरान भरोसेमंद सेवा मिल पाती है।

अमित पटपटिया ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से आग्रह किया है कि सर्दियों में ट्रेनों को अनावश्यक रूप से रद्द न किया जाए और मुजफ्फरनगरदृपंजाब रूट पर 1द्2 अतिरिक्त ट्रेनें भी चलाई जाएँ, ताकि रोजाना आने–जाने वाले यात्रियों को राहत मिले। उन्होंने कहा कि रेलवे को सूचना प्रणाली भी बेहतर करनी चाहिए, ताकि किसी ट्रेन के रद्द या डायवर्ट होने पर यात्री समय रहते अपनी यात्रा योजना बना सकें।

पटपटिया ने उम्मीद जताई कि रेल मंत्रालय इस मुद्दे को गंभीरता से समझेगा और मुजफ्फरनगरदृपंजाब रेल मार्ग को सर्दियों में भी सुचारु, स्थिर और विश्वसनीय बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाएगा।

आरेडिका में दृष्टिबाधित कार्मिकों के लिए विशेष तकनीकी कार्यशाला का आयोजन

रायबरेली, शहर समता।महाप्रबंधक श्री प्रशांत कुमार मिश्रा के संरक्षण एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त तथा प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी के संयुक्त मार्गदर्शन में आरेडिका के राजभाषा विभाग द्वारा दृष्टिबाधित कर्मचारियों के लिए विशेष तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

यह आयोजन दृष्टिबाधित कार्मिकों के कार्यकुशलता में वृद्धि एवं उनकी क्षमताओ का सही दिशा में उपयोग सुनिश्चित करने का एक प्रयास था।

प्रशिक्षक के रूप में नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड दिल्ली से हरेंद्र कुमार और शुभम कुमार ने दृष्टिबाधित कर्मचारियों के लिए उपयोगी तकनीकी सॉफ्टवेयर यथा चौट जीपीटी, जैमिनी, रेलवे के

आंतरिक सॉफ्टवेयर ई–ऑफिस प्रणाली और दैनिक प्रशासनिक कार्यों को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए आवश्यक कंप्यूटर अनुप्रयोगों का उपयोग करना सिखाया गया। प्रशिक्षण केवल सैद्धांतिक नहीं था बल्कि इसमें वास्तविक समय के कार्यालय परिदृश्यों पर व्यावहारिक अभ्यास शामिल थे ताकि कर्मचारी अपने कार्यक्षेत्र में इन उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकें ।

इस कार्यशाला में हरे कृष्णा योगी, उपासना अवस्थी, अम्बुज कुमार सिंह, सुबोध गांधी, गोवर्धन गौर, सौरव कुमार , राजेश पाल आदि ने सहभागिता की। कार्यक्रम राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन के कुशल दिशानिर्देशन में संपन्न हुआ

उपरोक्त जानकारी आर. एन.तिवारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी जी ने दी।

दो महीने बाद भी कार्रवाई न होने से असंतोष

नैनी, प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र के मुंगारी गांव में लगभग दो महीने पहले हुई चोरी में पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न होने पर पीड़ित परिवार परेशान है। मुंगारी निवासी शुभम विश्वकर्मा परिवार के साथ एडीए कॉलोनी नैनी में रहते हैं। 12 अक्टूबर को वे गांव स्थित मकान में ताला बंद करके नैनी आ गए। 13 अक्टूबर को चोर ताला तोड़कर मकान में घुसे और घर मे रखा सिलेंडर, ड्रम आदि उठा ले गए। जानकारी मिलने पर शुभम द्वारा थाने में लिखित शिकायत की गई। पुलिस मौके पर गई और खानापूर्ति कर वापस आ गई। उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद लगभग एक महीने बाद 11 नवम्बर को घटना की नामजद एफआईआर दर्ज की गई। इस विषय मे पीड़ित द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल पर कई बार शिकायत की गई लेकिन मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई जिससे पीड़ित परिवार असंतुष्ट है। पीड़ित परिवार द्वारा मामले में अविलंब कार्रवाई की मांग की गई है।

सपा शासन में नौकरी नहीं, सौदेबाजी चलती थी, योगी सरकार ने 8.5 लाख सरकारी नौकरियां दीं, अखिलेश के ट्वीट पर बीजेपी का पलटवार

लखनऊ (संवाददाता)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा नौकरी को लेकर किए गए ट्वीट पर प्रदेश सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा सरकार के दौरान नौकरियां योग्यता से नहीं, बल्कि सौदेबाजी और भाई–भतीजावाद के आधार पर दी जाती थीं। वहीं उन्होंने दावा किया कि योगी सरकार में बीते साढ़े आठ वर्षों में ढाई करोड़ से अधिक रोजगार उपलब्ध कराए गए हैं, जिनमें साढ़े आठ लाख सरकारी नौकरियां शामिल हैं। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि सपा शासन में "भाई–भतीजों की वसूली टीम" निकलती थी और लखनऊ के होटल नौकरी के दलालों से भरे रहते थे। उनका कहना है कि उस समय बच्चा पढ़ाई करता था और पिता प्लॉट बेचकर लखनऊ में मंत्री को घूस देने आता था। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा कार्यकाल में विधान सभा के पास नौकरी के दलाल खुलेआम घूमते थे। उन्होंने दावा किया कि योगी सरकार में हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। निजी और डैडम् सेक्टर में 2 करोड़ से अधिक रोजगार दिए गए। साढ़े 8 वर्ष में 8.5 लाख सरकारी नौकरियां दी गईं।

प्रवीण स्मृति नाट्योत्सव 2025, प्रयागराज

प्रवीण सांस्कृतिक मंच,पटना बिहार द्वारा प्रयागराज में आयोजित प्रवीण स्मृति प्रयागराजसनाट्योत्सव 2025 के अंतर्गत आज कथाकार शिवमूर्ति की कहानी पर आधारित नाटक 'कुच्ची का कानून' का सशक्त मंचन किया गया। नाटक का निर्देशन बिजेन्द्र कुमार टॉक ने किया।

प्रस्तुति की शुरुआत से ही संवादों ने दर्शकों को गहराई से झकझोर दिया–

"जब मेरी भूख गांव की भूख नहीं बनती३ तो मेरे किए किसी काम से पूरे गांव की नाक कैसे कट जाएगी बाबा?"

ऐसे मार्मिक सवालों ने समाज की उस सोच को कटघरे में खड़ा किया जो सदियों से स्त्री की स्वतंत्रता और उसकी इच्छा को दबाती आई है।

नाटक में विधवा कुच्ची अपनी मर्जी से मातृत्व स्वीकार करने के अधिकार के लिए पूरे गांव और पंचायत के विरोध के सामने डटकर खड़ी होती है। बिना पुनर्विवाह के गर्भ धारण करने पर उसे "अवैध" ठहराने की कोशिश की जाती है, पर कुच्ची अपने होने वाले बच्चे और अपनी कोख के हक में आवाज बुलंद करती है।

उसकी जिजीविषा, साहस और समाज की पुरुषवादी मानसिकता को चुनौती देने का रूप दर्शकों को भावुक करने के साथ सोचने पर भी मजबूर करता है।

दर्शकों ने पूरे नाटक को अत्यंत सराहा और कलाकारों की प्रस्तुति को खूब प्रशंसा मिली।

स्थान :– उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज

मंच पर
कुच्ची – शाइस्ता खान
हनुमान – मनीष महिवाल
बनवारी – गौतम गुलाल
सुलक्षणी – प्रतिमा भारती
बलई बाबा – राहुल रंजन
धनई बाबा – स्पर्श मिश्रा
लक्ष्मण चौधरी – रोहित चंद्रा
रमेशर – जफर आलम
रमेशर बहु – श्रीपर्णा चक्रवर्ती
चतुरा अइया – हेमा चौधरी
सुघरा ठकुराइनध्कुट्टी – अपराजिता कुमारी
समधी – सोनू कुमार
बितानू – अभिषेक राज
दलाल – प्रिंस राज
समाजी – लाल बाबू , नंदन कुमार, सोनू , आदित्य , तान्या कुमारी, प्रिंस राज

मंच परे
हारमोनियम – रोहित चंद्रा
सारंगी – अनीश मिश्रा
इफेक्ट – अभिषेक राज
प्रकाश परिकल्पना – विनय चौहान
रूप सज्जा – जितेंद्र कुमार जीतू
मंच सज्जा – उमेश शर्मा
पार्श्व ध्वनि – अनिल मिश्रा
तकनीकी विशेषज्ञ – हरिशंकर रवि
महोत्सव संयोजक – डॉ इन्द्रदीप चंद्रवंशी
परिकल्पना एवं निर्देशन – विजयेंद्र टांक

सम्पादकीय.....

बच्चों पर संकट

इस सदी के ढाई दशक में बाल मृत्यु दर घटने को दुनिया की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया गया था, लेकिन अब इस सदी में पहली बार बाल मृत्यु दर में वृद्धि की आशंका जतायी जा रही है। गेट्स फाउंडेशन की रिपोर्ट बताती है दुनिया भले ही अमीर हो गई है लेकिन गरीब देशों के बच्चों पर होने वाला खर्च घटा दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, धनी देशों द्वारा वैश्विक स्वास्थ्य खर्च पर 27 फीसदी की कटौती की गई है। जिससे इस वर्ष दो लाख अतिरिक्त बच्चों की मौत की आशंका जतायी जा रही है। दरअसल, ये मौतें उन बीमारियों से हो सकती हैं, जिन्हें अमीर देशों से मिलने वाली मदद से होने वाले टीकाकरण और बुनियादी इलाज से टाला जा सकता था। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चिंतित हैं कि जिस समय दुनिया में संपत्ति सबसे तेजी से बढ़ रही है, उस समय गरीब देशों के बच्चों पर स्वास्थ्य खर्च का घट जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। आशंका जतायी जा रही है कि यदि स्वास्थ्य सहायता में तीस प्रतिशत की कटौती हो जाती है तो वर्ष 2045 तक 1.6 करोड़ अतिरिक्त बच्चों की मौत हो सकती है। विडंबना देखिए कि इस आसन्न संकट को नजरअंदाज करके विकसित देश अपने रक्षा व आंतरिक खर्च को बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। जबकि अमीर देशों द्वारा गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य के लिये दिया जाने वाला पैसा उनके बजट के एक फीसदी से भी कम है। गेट्स फाउंडेशन का विश्व के अमीर देशों से आग्रह है कि वे दुर्लभ संसाधनों को उन स्थानों पर लक्षित करें, जहां वे सबसे अधिक जीवन बचा सकते हैं। दरअसल, संकट में वे बच्चे हैं, जो अपना पांचवां जन्मदिन मनाने से पहले ही मृत्यु का ग्रास बन जाते हैं। इस संकट बढ़ने से दशकों से हासिल वैश्विक प्रगति बेकार हो जाएगी। निस्संदेह, दुनिया में कहीं भी पैदा हुए बच्चे को जीवित रहने और फलने–फूलने का अवसर मिलना चाहिए। दरअसल, गेट्स फाउंडेशन की गोलकीपर्स रिपोर्ट और वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन ने बताया कि 2024 में, 4.6 मिलियन बच्चों की पांचवें जन्मदिन से पहले मौत हो गई थी। आशंका है कि आर्थिक मदद में कटौती से इस वर्ष इस संख्या में दो लाख की वृद्धि से इसके बढ़कर 4.8 मिलियन बच्चों तक पहुंचने की आशंका है। जिसकी मूल वजह स्वास्थ्य के लिये वैश्विक मदद में आई बड़ी गिरावट है। इस वर्ष सहायता निधि में भारी कटौती के अलावा गरीब देशों के बढ़ते कर्ज, कमजोर स्वास्थ्य सिस्टम के चलते मलेरिया, एचआईवी और पोलियो जैसी बीमारियों के विरुद्ध हासिल उपलब्धियों को खोने का जोखिम बढ़ सकता है। हालिया रिपोर्ट बताती है कैसे प्रमाणित समाधानों और अगली पीढ़ी के नवाचारों में लक्षित निवेश से सीमित बजट में लाखों बच्चों का जीवन बचाया जा सकता है। निस्संदेह, गरीब मुल्कों के ये बच्चे सुरक्षित जीवन पाने के हकदार हैं। गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष बिल गेट्स कहते हैं विश्व में गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य रक्षा के लिये वित्तीय संसाधन बढ़ाने व वर्तमान सिस्टम में सुधार हेतु दक्षता बढ़ाने की जरूरत है। हमें कम संसाधनों में अधिक काम करना होगा। यदि ऐसा नहीं होता तो हमारी पीढ़ी के दामन पर दाग लगेगा कि मानव इतिहास में सबसे उन्नत विज्ञान और नवाचार की पहुंच के बावजूद हम लाखों बच्चों का जीवन बचाने के लिये धन नहीं जुटा पाए। हम सही प्राथमिकताएं और प्रतिबद्धताएं तय करके तथा उच्च प्रभाव वाले समाधानों में निवेश करके बाल मृत्यु दर वृद्धि को रोक सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो हम वर्ष 2045 तक कई मिलियन बच्चों को जीवित रहने में मदद कर सकते हैं। इसके लिये जरूरी होगा कि हम विदेशी मदद का अधिकतम उपयोग करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, नियमित टीकाकरण, गुणवत्ता के टीके और डेटा के नये उपयोग पर अधिक ध्यान दें। निस्संदेह, इन बीमारियों से लड़ने के लिये वैश्विक प्रतिबद्धता को जारी रखने की जरूरत है। गेट्स फाउंडेशन का मानना है कि अगली पीढ़ी के नवाचारों के विकास में निवेश से हम बच्चों में होने वाले मलेरिया और निमोनिया जैसे कुछ घातक रोगों को हमेशा के लिये खत्म कर सकते हैं।

निर्यात के बाजार में अब हमें नए सहयोगी तलाशने होंगे

शशि थरूर

भारत में ट्रम्प टैरिफ की सबसे ज्यादा मार टेक्स्टाइल्स, चमड़ा, जेम्स एंड ज्वैलरी, जूते, हैंडीक्राफ्ट, सी–फूड जैसे श्रम–प्रधान उद्योगों पर पड़ी है।

ट्रम्प के 50प्रतिशत टैरिफ हमारी निर्यात–अर्थव्यवस्था को बदल रहे हैं। भारत द्वारा अमेरिका को बेचा जाने वाला बहुत सारा सामान अब बेहद महंगा हो गया है। बीते दो दशकों को देखें तो 2005 में वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 1.2: थी, जो 2023 में 2.4: हो गई। इसके पीछे निर्यातकों, नीति–निर्माताओं, कामगारों की अथक मेहनत थी। उन्होंने समझा था कि ट्रेड ही विकास की सीढ़ी है। लेकिन अब ट्रम्प टैरिफ के चलते भारत के इस सीढ़ी पर कुछ पायदान नीचे गिरने का जोखिम है। गत सितम्बर में भारत का माल व्यापार घाटा 13 महीनों के उच्चतम स्तर (32.15 अरब डॉलर) तक पहुंच गया। जबकि अगस्त में यह 26.49 अरब डॉलर था। सितम्बर में अमेरिका को हुआ निर्यात 5.4 अरब डॉलर का रह गया, जो अगस्त में 6.9 अरब डॉलर था। अक्टूबर में और गिरावट हुई और अमेरिका को हमारा निर्यात पिछले साल इसी महीने की तुलना में 9: गिर गया। यह किसी अमूर्त मैक्रो–इकोनॉमिक मसले जैसा नहीं है। भारत में ट्रम्प टैरिफ की सबसे ज्यादा मार टेक्स्टाइल्स, चमड़ा, जेम्स एंड ज्वैलरी, जूते, हैंडीक्राफ्ट, सी–फूड जैसे श्रम–प्रधान उद्योगों पर पड़ी है। इन सेक्टरों में बड़ी संख्या में महिलाओं समेत लाखों श्रमिक कार्यरत हैं। अमेरिकी प्रशासन जहां अपनी भू–राजनीतिक जोर–आजमाइश में व्यस्त है, वहीं इन गरीब श्रमिकों के लिए रोजी–रोटी का सवाल आ खड़ा हुआ है। टेक्स्टाइल्स एंड अपैरल क्षेत्र को तो बड़ा झटका लगा है। 2024–25 में इस सेक्टर में भारत ने अकेले अमेरिका को 10.9 अरब डॉलर का निर्यात किया था, जो भारत के कुल परिधान निर्यात का 35: था। लेकिन इस उद्योग के लिए टैरिफ दरों के 13.9: से 63.9: होते ही भारतीय कपड़े अपने सबसे बड़े बाजार से बाहर हो गए। निर्माता अब महज टैरिफ कम होने के भरोसे नहीं रह सकते। बांग्लादेश और वियतनाम अमेरिकी ग्राहकों को कपड़े बेचने लगे हैं। पाकिस्तान डेनिम और ऊन बेच रहा है। कम्बोडिया फास्ट–फैशन निट्स का नया हब बन रहा है। अमेरिका के तटीय देश मैक्सिको और काफ्टा–डीआर ब्लॉक– जिसमें अमेरिका, डोमिनिकन गणराज्य के अलावा मध्य अमेरिका के पांच देश शामिल हैं– ने अमेरिकी रिटेलर्स को कम समय में और टैरिफ–फ्री सप्लाई की पेशकश की है। जब तक टैरिफ कम होंगे, पूरी सप्लाई चेन बदल चुकी होगी। हम बाजार में कड़ी मेहनत के दम पर बनाई

हिस्सेदारी खो देंगे। भारतीय कार्पेट सेक्टर का भी 60: निर्यात अमेरिका को होता है। लेकिन इन उत्पादों पर टैरिफ 2.9: से सीधे 52.9: होने के कारण अमेरिकी ग्राहक तुर्किए, चीन और मिस्र में तुर्की–स्वामित्व वाली मिलों का रुख कर रहे हैं। चमड़े के मामले में भी अमेरिकी बाजार भारतीय उत्पादों के लिए बंद होते जा रहे हैं। जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर तो सर्वाधिक प्रभावित हुआ है। सितम्बर में मुम्बई के सांताक्रूज इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन (एसईईपीजेड) से इन उत्पादों के निर्यात में बीते साल के सितम्बर की तुलना में 71 से 76: तक की गिरावट आई है। इससे क्षेत्र के हजारों कारीगरों, पॉलिश करने वालों और उद्यमियों के लिए आजीविका का संकट पैदा हो गया है। कई निर्यातकों ने टैरिफ को भांपते हुए पहले ही निर्यात खेप भेजने की कोशिश की थी। और इसीलिए मौजूदा वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में अमेरिका को भारत का निर्यात 13: बढ़कर 45.8 अरब डॉलर पहुंच गया। लेकिन टैरिफ लागू होते ही ऑर्डर थम गए। ऐसे में हमें अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और दक्षिण–पूर्व एशिया में टेक्स्टाइल्स, चमड़ा, प्रोसेस्ड फूड की बढ़ती मांग का फायदा उठाते हुए ग्लोबल साउथ के भीतर ही व्यापारिक रिश्ते बढ़ाने चाहिए। हमें बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका के साथ मिलकर क्षेत्र के लिए एकीकृत टेक्स्टाइल्स एंड अपैरल सप्लाई चेन बनानी चाहिए। यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि यदि अमेरिका को सीधा निर्यात घटता भी है तो यह सप्लाई चेन वैश्विक संदर्भ में प्रासंगिक बनी रहे। ऑस्ट्रेलिया और यूएई से मुक्त व्यापार समझौतों को लागू करने के लिए भरसक प्रयास भी करने चाहिए, ताकि पूर्व में अमेरिका जाने वाले कुछ उत्पादों खपत तो की जा सके। ये बदलाव रातोंरात नहीं हो सकते। ऐसे में हम कूटनीति के जरिए कुछ सेक्टरों में राहत पा सकते हैं। ट्रम्प के टैरिफ भारत के निर्यात मॉडल की कमजोरी को सामने ले आए हैं, जो चुनिंदा बाजारों और अपेक्षाकृत कम वैल्यूदृएडेड उत्पादों पर निर्भर है। यह रणनीति कम टैरिफ और बढ़ते वैश्वीकरण के दौर में तो काम कर गई, लेकिन आज कारगर नहीं हो सकती।

गोवा अग्निकांड: असली दोषी कहां हैं

गोवा के रोमियो लेन नाइट क्लब में शनिवार रात लगी आग में 25 लोग अकाल मौत मारे गए। यह हादसा गोवा की बड़ी त्रासदियों में से एक माना जा रहा है। अक्टूबर से लेकर फरवरी–मार्च तक गोवा में पर्यटकों की भीड़ होती है। खासकर विदेशी पर्यटकों के लिए यह बड़ा आकर्षण का केंद्र रहा है। जम्मू–कश्मीर की तरह गोवा का मुख्य व्यवसाय भी पर्यटन ही है। लेकिन इस घटना ने गोवा में पर्यटकों की सुरक्षा पर बड़ा निशान खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि जिस वक्त क्लब में आग लगी, करीब डेढ़ सौ लोग वहां थे। हालांकि मरने वालों में 20 लोग क्लब के कर्मचारी थे और उनके साथ पांच पर्यटकों की मौत हुई। इनमें से चार तो दिल्ली के एक ही परिवार के सदस्य थे। शनिवार रात के हादसे के बाद रविवार सुबह ही मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने क्लब का दौरा करते हुए जांच के आदेश दिए थे। साथ ही चेतावनी थी कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। अब सवाल ये है कि इस हादसे का दोषी किसे माना जाएगा। प्रत्यक्ष तौर पर तो क्लब के मालिकान सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा ही हादसे के दोषी हैं, और उनके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई। लेकिन ये दोनों भाई तो रविवार सुबह साढ़े पांच बजे ही देश छोड़कर निकल चुके थे। मतलब मुख्यमंत्री जब दोषियों को पकड़ने के आदेश दे रहे थे, जिस वक्त पुलिस मौके पर सबूत जुटा रही थी और आग बुझाने की कोशिशें चल रही थीं, उस समय तक लूथरा बंधु देश से निकल चुके थे। ये भाजपा के सख्त प्रशासन की असलियत है। हैरानी की बात ये है कि सात दिसम्बर की सुबह लूथरा बंधु भाग चुके थे और शायद पुलिस इससे बेखबर थी, क्योंकि सात तारीख की शाम को गोवा पुलिस के अनुरोध पर दिल्ली पुलिस ने लूथरा बंधुओं के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया था। जबकि मुंबई में ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन ने जानकारी दी कि दोनों भाई सात दिसंबर की सुबह 5.30 बजे यानी घटना के फौरन बाद इंडिगो की सीधी फ्लाइट से थाइलैंड के फुकेत भाग चुके थे। अब गोवा पुलिस दोनों को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए इंटरपोल से मदद ले रही है। लेकिन पिछले अनुभव बताते हैं कि भगोड़ों को वापस लाने में मोदी सरकार नाकाम ही रही है। विजय माल्या, नीरव मोदी, ललित मोदी, मेहुल चोकसी ये सब कहां हैं, क्या कर रहे हैं, इसकी जानकारी होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। इनमें से कुछ भगोड़े तो विदेश में आलीशान दावतें करते हैं और देश से कई नामी–गिरामी लोग उन दावतों में शामिल होते हैं, फिर भी इनका बाल भी बांका नहीं होता, क्योंकि धन और सत्ता का रक्षाकवच इनके पास है। अब देखना होगा कि लूथरा बंधुओं को यह कवच मिलता है या नहीं। वैसे थाइलैंड भागने की उनकी योजना बताती है कि वो कितने शातिर हैं। थाईलैंड में भारतीयों को प्रवेश करने पर वीजा मिल जाता है। ऐसे में उन्हें थाइलैंड जाने में कोई दिक्कत नहीं हुई। फुकेत एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र है और यहां हर दिन बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक आते हैं। ऐसे में किसी भारतीय के लिए यहां भीड़ में घुलमिल जाना और अपनी पहचान छिपाना भी आसान है। वहीं लूथरा बंधुओं का होटल और क्लब बिजनेस भारत समेत और चार देशों में फैला हुआ है। हो सकता है कि थाईलैंड में उन्हें अपने व्यावसायिक रिश्तों से कुछ मदद मिल रही हो। बहरहाल, इन दोनों आरोपियों के फुकेत में होने की जानकारी होने के बावजूद क्या उन्हें वापस लाना संभव होगा, यह एक उलझा हुआ सवाल है। 2015 में थाईलैंड से भारत की प्रत्यर्पण संधि हुई थी, इसके बावजूद सरकार को ये साबित करना होगा कि दोनों के खिलाफ गंभीर अपराध दर्ज हैं और उनके भारत लौटने से जांच आगे बढ़ेगी। प्रत्यर्पण के मामलों में विदेशी अदालतें भी सबूत, मामले की गंभीरता और मानवाधिकारों का आकलन करती हैं, जिसके कारण प्रक्रिया लंबी और जटिल हो जाती है। इसलिए पहले तो लूथरा बंधुओं को ढूंढना होगा और अगर वे मिल गए तो उन्हें वापस लाने की लंबी प्रक्रिया पूरी करनी होगी, तब जाकर प्रमोद सावंत की दोषियों को सजा देने वाली बात सही होगी। वैसे लूथरा बंधुओं के देश में 22 शहरों में रेस्तरां, बार और क्लब चलते हैं। बताया जाता है कि दिल्ली के सिविल लाइन्स में भी एक रेस्तरां है, जिसमें तय क्षमता से अधिक ग्राहकों को बैठाने के लिए स्वच्छता को लेकर एमसीडी ने पिछले साल नोटिस जारी किया था। मगर रेस्तरां और बार दोनों चल रहा है। और एमसीडी ने क्या कार्रवाई की, कुछ पता नहीं। इसलिए प्रमोद सावंत जब दोषियों की बात करते हैं तो यहां मालिकान के अलावा उन दोषियों की शिनाख्त भी करनी चाहिए जिनके कारण नियमों का उल्लंघन कर ऐसी इमारतें बनती हैं और व्यवसाय संचालित होते हैं। गोवा में जहां रोमियो लेन का क्लब था, वो तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) के अंतर्गत आने वाला एक पूर्व साल्टपैन है, जहां इंटरटाइडल पैच यानी उच्च ज्वार और निम्न ज्वार का क्षेत्र होने के कारण निर्माण की अनुमति नहीं है। फिर भी क्लब बना और चल भी रहा था। इसकी छत लकड़ी की थी और जब क्लब के भीतर इलेक्ट्रिक पटाखे चलाए गए, उसकी चिंगारियों से छत ने आग पकड़ी और फिर सारा क्लब जलकर राख हो गया। क्लब में आने–जाने का रास्ता एक ही था और अंदर फंसे लोग जान बचाने के लिए बेसमेंट की तरफ भागे। जहां दम घुटने से उनकी मौत हो गई। गोवा सरकार के अनुसार, क्लब में आग से बचने का कोई भी प्रबंधन नहीं किया गया था। यह क्लब खुद को आइलैंड क्लब के नाम से प्रमोट करता था, जहां तक पहुंचने का रास्ता काफी संकरा था। ऐसे में आग लगने के बाद दमकल की गाड़ियां भी 400 मीटर से पहले रुक गईं और समय पर आग न बुझने के कारण कई लोगों की जान चली गई। क्लब के मरने वाले कर्मचारी असम, बंगाल, झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और नेपाल से आए थे। रोजगार के लिए अपना गांव–शहर छोड़कर आने वाले

इन लोगों को क्या मुआवजे से इंसाफ मिल पाएगा। फिलहाल पुलिस ने नाइट क्लब के चीफ जनरल मैनेजर, गेट मैनेजर, बार मैनेजर और जनरल मैनेजर को गिरफ्तार किया है। क्या इन का दोष मालिकों और अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले अधिकारियों से ज्यादा है। क्या 25 लोगों की अकाल मौत के बाद भी भाजपा अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ पाएगी, सोचना होगा।

'नाटू भाई'

नाटू भाई मेहनत करता है
खेतों में सुन्दर फसल उगाता
सुबह–सुबह वो उठ जाता है
बैलों के संग हंसता गाता है

ज्वार, बाजरा, चना ,मटर
देख –देख कर खुश होता है
गेंहू , आलू, ईख उगाता
खेतों में पूरी मेहन करता है

नाटू भैया हट्टा– कट्टा है
बासी रोटी मट्ठा पीता है
सर पर पगड़ी धोती कुर्ता
हाथ में लाठी लेकर चलता है

सारे दिन मस्ती करता है
बच्चों को खूब हंसता है
समय–समय पर नाटू भैया
सबको पाठ पढ़ाता है

प्रज्ञा मिश्रा
गोरखपुर

घुसपैठ

अनवार अब्बास नकवी

हर मुल्क अपने शहरियों/नागरिकों का है, शहरियों के लिये होता है और हर मुल्क के वसाएलध्संस्थानों पर उसके शहरियों का हकध होता है। भारत भी भारत के शहरियों का वतन है और मुल्क के वसाएल/संसाधनों पर भारत के शहरियों का हकध है। आज इमकानध्संभावना और तरकध्कधीधविकास के पेशे नजर/दृष्टिगत एक मुल्क के शहरी कघनूनी तौर पर दूसरे मुल्क में मुआश और रोजगार की गरज से जाते हैं और यह एक आम बात है। मगर वह लोग जो गैर कघनूनी तौर पर चोरी छिपे किसी दूसरे मुल्क में दाखध्लि हो जाते हैं उनकी हैसियत दरंदाजोंध्घुस पैठियों की सी होती है और वह पकड़े जाने के बाद वापस अपने मुल्क भेज दिया जाते हैं।अभी अमेरिका ने अपने यहाँ से भारत समेत कई मुल्के के घुसपैठियों को निकाल बाहर किया जिसका उसे पूरा हकध था मगर निकालते वकध्त उनको हथकड़ी बेड़ी में जकड़ना लायकध मजम्मतध निंदा योग्य था। अमेरिका के अलावा कई मुल्कों ने तो घुसपैठियों के साथ और भी बुरा बल्कि गैर इंसानी सुलूक किया जो कि बेहद शर्मनाक था।

दरंदाजी/घुसपैठ आज दुनिया भर में मुल्कों के लिए एक संगीन मसअलाध्समस्या है जिस से हर मुल्क जूझ और निपट रहा है। भारत के लिए दरंदाजी सिर्फ दरंदाजों का मसअला नहीं है बल्कि इस से जुड़े हुए हस्सासध्संवेदनशील मसअलों का एक सिलसिला है। घुसपैठ करने वालों में अपने मुल्क से जुर्म कर के भागने वाले खध्तरनाक मुजरिम,अपने मुल्क को जुल्म जियादती या मायूसी के सबब छोड़ने वाले,ड्रग असलहा तस्करों के एजेंट,आस पड़ोस के मुल्कों से भेजे जाने वाले जासूस और दहशतगर्द भी होते हैं,इस लिए घुसपैठियों को मुल्क से बाहर करना और घुसपैठ को पूरी तरह से रोकना सरकार की जिम्मेदारी है,मुल्क में कोई खध्तरा रखने, पालने या छोड़ने की जरूरत नहीं।

इस मुल्क का एक बड़ा मसअला यह भी है कि यहाँ हमेशा काम से जियादा सियासत होती रही है,मैं यहाँ पर पहले हो चुकी सियासतें लिखने के बजाय कुल यही लिखूंगा कि मौकेध पर अपने फायदे की सियासत करने में कभी कोई किसी से पीछे नहीं रहा और इस फायदे की सियासत में अवाम और मुल्क का नुकध्सान भी होता रहा है। बहर हाल बगैर महीन बयानी किये और सियासी फायदा साधे घुसपैठियों को मुल्क से बाहर करने का काम होना चाहिए ताकि समाज के किसी तबकेध में बिला वजह बेचैनी और अफवाह न फैले।

घुसपैठ के मसअले का जब वजूद नहीं था तब से भारत के लोग काम रोजगार की उम्मीद पर एक सूबे के लोग सूबो में जाते और बसते रहे हैं,यह सिलसिला अब भी जारी है और यह गैरकघनूनी भी नहीं है।भारत चूंकि अलग अलग जबानों,अलग अलग बोलियों,अलग अलग पहनावों और अलग अलग साखध्त ओ सूरत वालों का मुल्क है जिस वजह से उन्हें सहीस सहीस पहचान पाने में चूक भी हो जाने के इमकान होते हैं,ऐसे में अब घुसपैठ बढ़ जाने के बाद बाहरी लोगों को पहचाना और उन्हें बाहर किया जाना जरुरी हो गया है,मगर पहचान का काम इतना आसान भी नहीं है। पहले ही आसाम में यह उलझन एक गुत्थी साबित हो चुकी है,बंगाली और बंग्लादेशी की गुत्थी और भी उलझावे की गुत्थी है। यह भी किसी से पोशीदा नहीं कि घुसपैठ करने वाले अक्सर बहुत जल्दी खुद को कागजों से मजबूत कर लेते हैं जब कि बहुत से मुल्क के शहरी अपने आपको मुल्क का जान कर बगैर सुबुत ओ हवाला रह जाते हैं! ऐसे में सरकार के साथ भारत के उन शहरियों की भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं जिनके पास शहरियत के कागजी हवाले नहीं हैं।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

गहरा सागर की तरह, नभ की तरह विशाल।
जिसके भीतर प्रेम है, होता वही रसाल।।
होता वही रसाल, ईश को भाता हरदम।
मीरा जैसा प्रेम, कहाँ अब जग में अनुपम।।
कहती रचना आज, प्रभो का उस पर पहरा।
नर नारायण साथ, प्रेम जब दिखता गहरा।।

नदियाँ सा शीतल बहे, और मुख रवि उजाल।
अनुरागी मन हो गया, उठता कौन सवाल।।
उठता कौन सवाल, सभी जग में साधारण।
काम क्रोध को त्याग, बने नर से नारायण।।
कहती रचना बीत, गयी है कितनी सदियाँ।
जिसके हिय है प्रेम, दिखे वो शीतल नदियाँ।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

फर्जी 2 की तैयारी से लेकर पवन कल्याण के साथ काम करने के अनुभव तक

राशी खन्ना

अभिनेत्री राशी खन्ना को हाल ही में फिल्म श्120 बहादुरश में देखा जा रहा है, इसी बीच एक्ट्रेस ने अमर उजाला से बातचीत करते हुए अपने करियर और जिंदगी से जुड़े कई पहलुओं पर बात की है। अभिनेत्री राशी खन्ना इन दिनों फिल्म '120 बहादुर' में नजर आ रही हैं। इसी दौरान उन्होंने अमर उजाला से खास बातचीत में अपने करियर और निजी जिंदगी से जुड़ी कई बातों पर खुलकर चर्चा की।

क्या आपको कभी लगा कि इंडस्ट्री में आपको टाइपकास्ट किया जा रहा है?

जब मैं नई–नई आई थी तो मुझे लगता था कि शायद मुझे कमर्शियल फिल्मों में टाइपकास्ट कर दिया जाएगा। मुझे लगा कि मुझे सिर्फ ऐसे ही रोल मिलेंगे। कमर्शियल फिल्में मुझे पसंद हैं, लेकिन मैं स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर्स करना चाहती थी। फिर थोली प्रेमा (2018) रिलीज हुई और उसने मेरी ट्रैजेक्टरी बदल दी। उसके बाद फर्जी आई और लोगों ने पहली बार मुझे डी–ग्लैम और अलग रोल में देखा। हिंदी में मुझे बेहतर रोल मिलने लगे और अब तक मुझे हिंदी इंडस्ट्री में टाइपकास्ट नहीं किया गया है। अगर कभी ऐसा हुआ तो मैं खुद कहूंगी कि मैं ऑडिशन देने के लिए तैयार हूं। मैं कोशिश करूंगी कि खुद स्टीरियोटाइप को तोड़ सकूं।

तमिल, तेलुगु और हिंदी इंडस्ट्री में क्या खास या अलग लगा?

तीनों इंडस्ट्रीज में पैशन एक जैसा है। सब अच्छी फिल्में बनाना चाहते हैं। फर्क सिर्फ भाषा और कल्चर का है। तमिल इंडस्ट्री में बहुत डिसिप्लिन है। तेलुगु इंडस्ट्री में मुझे सबसे ज्यादा सपोर्ट मिला क्योंकि वहां ऑडियंस आपके ऊपर विश्वास करती है। हिंदी इंडस्ट्री में ओपननेस है और एक्सपेरिमेंट की आजादी है। तीनों इंडस्ट्रीज ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और मुझे ग्राउंडेड रखा है।

कमर्शियल और कंटेंट–ड्रिवन सिनेमा का बैलेंस कैसे रखती हैं?

बैलेंस उतना मुश्किल नहीं है जितना लोग सोचते हैं। इसके लिए आपको खुद ओपन रहना पड़ता है। मैं मेकर्स को खुद बोलती हूँ कि मुझे ऑडिशन करने दें, ताकि मुझे कंटेंट वाली फिल्में भी मिलें। लेकिन मैं कमर्शियल सिनेमा की पकड़ भी नहीं छोड़ती क्योंकि मुझे दोनों पसंद हैं। ये बैलेंस आपको खुद ही बनाए रखना पड़ता है।

क्या कोई ऐसा ड्रीम रोल है जिसे निभाने की आपकी बहुत इच्छा है, लेकिन अभी तक मौका नहीं मिला?

मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत ही की है। मेरे कई ड्रीम रोल्स हैं। मुझे एक्शन फिल्म करनी है, पीरियड फिल्म करनी है और अगर दोनों साथ मिल जाएं तो बहुत अच्छा होगा। मुझे हिंदी में रोमैंटिक कॉमेडी और साइकोलॉजिकल थ्रिलर भी करना है।

आपकी पढ़ाई आपकी एक्टिंग या स्क्रिप्ट एनालिसिस के तरीकों को प्रभावित करती है?

मेरी पढ़ाई ने मेरी एक्टिंग में बहुत मदद की है। मैं हर किरदार को केस स्टडी की तरह पढ़ती हूं। मैं उसका पास्ट, फियर्स और कोपिंग मेकैनिज्म खोजती हूं। मैं सिर्फ ये नहीं देखती कि किरदार क्या बोल रहा है। मैं समझने की कोशिश करती हूं कि वो ऐसा क्यों बोल रहा है। इंग्लिश ऑनर्स ने मुझे सही सवाल पूछना सिखाया और यही ट्रेनिंग फिल्मों में काम आती है। मैं अपने किरदारों को कभी जज नहीं करती। मैं उन्हें समझती हूं।

आने वाले कुछ वर्षों में आप अपने करियर को किस दिशा में देखती हैं?

पहले मैं अपने करियर के बारे में बहुत नहीं सोचती थी। मैं बस मेहनत करती थी। लेकिन अब मैं कॉन्शस डिसीजन लेती हूं। आने वाले समय में मैं अपने काम में मेच्योरिटी और डेप्थ लाना चाहती हूं। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूँ जो लेयर्ड, फ्लॉड और कॉम्प्लेक्स हों। मेरा लक्ष्य है कि मेरा कलाकार हमेशा जिंदा रहे।

श्फर्जी 2' में क्या नया एक्सप्लोर कर रही हैं?

अभी तक मुझे स्क्रिप्ट हाथ में नहीं मिली है। इसलिए सच बताऊं तो मुझे नहीं पता कि मेरा किरदार किस दिशा में जा रहा है। जैसे ही स्क्रिप्ट मिलेगी, मैं डायरेक्टर्स के साथ बैठकर समझूंगी कि आगे कैसे बढ़ना है।

श्तलाखोंश में एक' में बंगाली किरदार की तैयारी कैसे की?

इस फिल्म के डायरेक्टर बंगाली हैं। फिल्म पूरी बंगाली में नहीं है, लेकिन कुछ लाइन्स बंगाली में हैं। उन्होंने मुझे समझाया कि बंगाली लड़कियाँ कैसी होती हैं और उनकी सोच कितनी इंडिपेंडेंट होती है। उस इंडिपेंडेंस को मेरे किरदार में दिखाया गया है। उनके पहनावे से लेकर थॉट प्रोसेस तक सब पर काम किया गया। मुझे लगता है कि यह फिल्म मेरे करियर में अहम साबित होगी।

बिग बॉस 19 के बाद लाफ्टर शेफ 3 में पवन सिंह की धमाकेदार एंट्री, कृष्णा अभिषेक के लिए बनाया स्पेशल चोखा

रियलिटी शो बिग बॉस 19 का कल रविवार को ग्रैंड फिनाले हुआ, जिसमें गौरव खन्ना विजेता बने हैं। फिनाले में कई चर्चित सितारे पहुंचे। भोजपुरी एक्टर पवन सिंह ने भी सलमान खान के साथ मंच साझा किया। पवन सिंह लॉरेंस बिश्नोई से धमकी मिलने के बावजूद सलमान खान के शो में पहुंचे। अब वे लाफ्टर शेफ 3 में नजर आएंगे। अपने अभिनय और सिंगिंग के जरिए फैंस के दिलों पर राज करने वाले पवन सिंह की तगड़ी फैन फॉलोइंग है। उनकी लोकप्रियता को देखते हुए रियलिटी शो में उन्हें बतौर गेस्ट खूब देखा जा रहा है। हाल ही में पवन सिंह को बिग बॉस 19 के फिनाले में देखा गया था। अब वे लाफ्टर शेफ में ग्लैमर का तड़का लगाएंगे। हाल ही में लाफ्टर शेफ 3 का प्रोमो सोशल मीडिया पर जारी किया गया है, इसमें पवन सिंह नजर आ रहे हैं। पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, लाफ्टर शेफ के किचन में होगी दिग्गज एक्टर पवन सिंह की भव्य एंट्री। पवन सिंह लाफ्टर शेफ के सीजन 3 में पवन सिंह कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक के लिए स्पेशल चोखा बनाएंगे। शो में गेस्ट बनकर पहुंचे पवन सिंह का भारती सिंह ने भव्य स्वागत किया। वहीं कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक ने उनसे प्याज कटवाया। पवन सिंह ने जब कहा, अरे यार अपने काम पर मुझे लगा दिया। इस पर कृष्णा जोर से हंसते हैं। पवन सिंह भी मजाकिया अंदाज में कहते हैं, ऐसा चोखा बनाऊंगा कि तीन दिन तक बाथरूम से नहीं निकलेंगे। बता दें कि पवन सिंह को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्यों से धमकी भरा कॉल आया, जिसमें उन्हें बिग बॉस 19 में सलमान खान के साथ स्टेज पर न आने की चेतावनी दी गई। बिश्नोई गैंग कुछ समय से सलमान खान को जान से मारने की धमकी दे रहा है। इसी के चलते एक्टर की सिक्योरिटी भी बढ़ा दी गई है। खबरों के मुताबिक पवन सिंह को शनिवार को एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताया। अनजान आदमी ने पवन सिंह को सलमान खान के साथ स्टेज शेयर न करने की हिदायत दी। इसके अलावा उसने पैसे भी मांगे। उसने चेतावनी दी कि अगर मांग को नजरअंदाज किया गया तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। हालांकि बिग बॉस 19 के ग्रैंड फिनाले में पवन सिंह पहुंचे। उन्होंने सलमान खान के साथ स्टेज शेयर किया।

सोशल मीडिया पर तीन दिन में हो कार्रवाई सलमान खान के निजी अधिकार पर दिल्ली हाईकोर्ट

सुपरस्टार सलमान खान अपने पर्सनैलिटी, पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट की चौखट पर पहुंचे हैं। अब आज हाईकोर्ट ने सलमान की याचिका पर सुनवाई की है। कोर्ट ने इस मामले में सोशल मीडिया मध्यस्थों को 3 दिनों के भीतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सलमान खान ने एक दिन पहले ही दिल्ली हाईकोर्ट में शिकायत की थी। पर्सनैलिटी–पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए सलमान से पहले भी कई एक्टर्स कोर्ट का रुख कर चुके हैं। इनमें सिंगर आशा भोसले, अभिनेता सुनील शेट्टी और अक्षय कुमार जैसे नाम शामिल हैं। कई सेलेब्स की दायर याचिका पर कोर्ट अपना फैसला भी सुना चुकी है। लगातार आ रहे पर्सनैलिटी–पब्लिसिटी राइट्स के मामलों के बीच जानते हैं आखिर क्या है पर्सनैलिटी–पब्लिसिटी राइट्स। दरअसल, सलमान खान से पहले जिन कलाकारों ने इस मामले में कोर्ट में शिकायत की है, उनकी याचिका में बताया गया है कि एक्टर के नाम, आवाज, हाव–भाव, पहचान से जुड़ी चीजों को लेकर उल्लंघन हो रहा है। इसी चीज पर रोक लगाने की मांग की गई है। इसमें एआई से बनाए डीपफेक फोटो और वीडियो शामिल हैं। साथ ही नकली सामान, भ्रामक विज्ञापन, झूठे ब्रांड एंडोर्समेंट और यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (पूर्व में ट्विटर) और ई–कॉमर्स वेबसाइटों जैसे प्लेटफॉर्म पर सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाए जाते हैं।

आलिया भट्ट को मिला गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड, दुबई में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुई सम्मानित

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट के खाते में एक और उपलब्धि ा जुड़ गई है। एक्ट्रेस को रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। आलिया को ट्यूनीशियाई अभिनेत्री हेंड सबरी के साथ एक समारोह में सम्मानित किया गया, जिन्हें उमर शरीफ अवॉर्ड से नवाजा गया। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का पांचवां संस्करण सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित किया जा रहा है। गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड जीतने पर खुशी जताते हुए आलिया ने कहा कि गोल्डन ग्लोब्स द्वारा सम्मानित होना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं दुनिया भर में फिल्म और टेलीविजन में बदलाव ला रही महत्वाकांक्षी कलाकारों और महिलाओं की नई पीढ़ी की ओर से बोलने का मौका मिलने के लिए आभारी हूं। ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर प्रभावशाली कहानियों को बताने के लिए लोग एकजुट हो रहे हैं, यह सम्मान वाकई काफी महत्वपूर्ण बन जाता है। इस मौके पर गोल्डन ग्लोब्स की अध्यक्ष हेलेन होहेन ने कहा कि हमें आलिया भट्ट को गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में उनके असाधारण योगदान के लिए है। साथ ही वैश्विक मंच पर फिल्म व टेलीविजन के एक गतिशील और प्रभावशाली केंद्र के रूप में मिडिल ईस्ट के लगातार आगे बढ़ने का जश्न मनाता है।

सर्दियों में प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए सुपरफूड है गुड़, जच्चा और बच्चा दोनों रहेंगे स्वस्थ

प्रेग्नेंट महिलाओं को बहुत सारी चीजें खाने की क्रेविंग होती है। इसको नजरअंदाज करने की गलती नहीं करनी चाहिए। कुछ महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान मीठा खाने की क्रेविंग होती है। हांलाकि बहुत ज्यादा मीठा नहीं खाना चाहिए। लेकिन इसके बाद भी कई महिलाएं प्रेग्नेंसी में आइस्क्रीम औक चॉकलेट खाती हैं। लेकिन डॉक्टर इन सारी चीजों को खाने से मना करते हैं। इन चीजों को कम मात्रा में खाने की सलाह दी जाती है। अगर प्रेग्नेंसी के दौरान आपको मीठा खाने की क्रेविंग होती है। तो आप गुड़ का सेवन कर सकती हैं। बता दें कि प्रेग्नेंसी में गुड़ खाने के कई फायदे हो सकती हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको प्रेग्नेंसी के दौरान गुड़ खाए जाने के फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं इसके फायदे के बारे में...

कैल्शियम की आपूर्ति

गर्भवती महिलाओं को अपनी डाइट में कैल्शियम की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। क्योंकि कैल्शियम बच्चों के स्ट्रक्चरल ग्रोथ की लिहाज से अहम होती है। वहीं गुड़ में कैल्शियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। ऐसे में अगर आप गुड़ का सेवन करती हैं, तो इससे कैल्शियम की पूर्ति होती है। यह बच्चे की हड्डियों के विकास के लिए काफी जरूरी होता है।

कब्ज की समस्या होगी दूर

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को कब्ज की शिकायत होती है। क्योंकि गर्भ में पलने वाले बच्चे का भार जैसे–जैसे बढ़ता है, वैसे–वैसे पेट के निचले हिस्से दबाव बढ़ता जाता है। जिसके कारण महिलाओं को ब्लोटिंग, पेट फूलने की समस्या और कब्ज की शिकायत बनी रहती है। ऐसे में अगर आप प्रेग्नेंसी के दौरान गुड़ का सेवन करती हैं, तो आपको कब्ज की समस्या से काफी हद तक राहत मिल जाएगी। गुड़ खाने से मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है। साथ ही यह आपकी पाचन क्षमता को भी बेहतर करता है।

ब्लड प्रेशर होगा कंट्रोल

गर्भवती महिलाओं को हाई बीपी का समस्या होती है। हांलाकि यह एक खतरनाक हेल्थ इश्यू है। अगर इसको समय रहते कंट्रोल न किया जाए, तो डिलीवरी के दौरान आपको कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान बीपी को कंट्रोल करने का प्रयास करना चाहिए। वहीं गुड़ खाने से आपका बीपी काफी हद कंट्रोल में रहता है। क्योंकि गुड़ में पोटाशियम की ज्यादा मात्रा पायी जाती है। यह शरीर में मौजूद सोडियम को नियंत्रित करने में मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी बूस्ट

गर्भवती महिलाओं को इम्यूनिटी बूस्ट करना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि बदलते मौसम में सर्दी–जुकाम की समस्या हो सकती है। वहीं इम्यूमिटी कमजोर होने से छोटी–मोटी बीमारियां हो सकती हैं। ऐसे में इम्यूनिटी को बूस्ट करने के लिए आप गुड़ का सेवन कर सकती हैं। क्योंकि गुड़ को एंटी–ऑक्सीडेंट को बेहतरीन स्त्रोत माना जाता है। इससे गर्भ में पलने वाले बच्चे को प्रोटेक्शन मिलता है। साथ ही संक्रमण से भी उनका बचाव हो सकता है।

शारीरिक समस्या से मिलेगी राहत

गर्भवती को कई तरह की शारीरिक समस्याएं होती रहती हैं। इनमें शरीर का दर्द भी शामिल है। खासकर प्रेग्नेंसी में ज्वाइंट्स पेन की समस्या काफी आम होती है। इस दौरान महिलाओं को घुटनो से लेकर पेल्विक एरिया तक दर्द बना रहता है। इस दौरान पीठ में भी दर्द रहता है। गुड़ में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। गुड़ का सेवन करने से मांसपेशियां रिलैक्स होती हैं और बदन दर्द से राहत मिलती है। गर्भवती महिलाओं के लिए गुड़ का सेवन काफी अच्छा माना जाता है। लेकिन इसका सेवन काफी कम मात्रा में किया जाना चाहिए। अगर आपको गुड़ से एलर्जी है, तो इसके सेवन से बचना चाहिए।

चेहरे पर रेगुलर घी लगाने से जवां, ग्लोइंग और मुलायम रहेगी स्किन, जानिए कैसे करें अप्लाई

रात में फेस पर घी अप्लाई करने से त्वचा संबंधी कई गंभीर समस्याओं में फायदा मिलता है। फेस पर घी अप्लाई करने से रिंकल्स और फाइन लाइन्स की समस्याएं कम होती हैं और चेहरे का ग्लो भी बढ़ता है।

वैसे तो घी खाने के फायदे हम सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि घी हमारी त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होता है। आपको बता दें कि घी में वॉटर कंटेंट पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। घी को त्वचा पर लगाने से हमारी त्वचा हाइड्रेटेड रहती हैं और त्वचा को भरपूर पोषण मिलता है। रात में फेस पर घी अप्लाई करने से त्वचा संबंधी कई गंभीर समस्याओं में फायदा मिलता है। फेस पर घी अप्लाई करने से रिंकल्स और फाइन लाइन्स की समस्याएं कम होती हैं और चेहरे का ग्लो भी बढ़ता है। हांलाकि त्वचा पर घी लगाने के अपने फायदे होते हैं। लेकिन अगर आप इसका गलत तरीके से इस्तेमाल करते हैं, तो आपको कई समस्याएं हो सकती हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चेहरे पर घी लगाने के सही तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी जानेंगे कि इससे जुड़ी कौन की सावधानियां आपको बरतनी होगी। बता दें कि फेस पर घी अप्लाई करने के कई फायदे होते हैं। घी में विटामिन ए, विटामिन सी जैसे कई विटामिन्स पाए जाते हैं। घी के सेवन से हमारी स्किन का ग्लो बढ़ता है और एंटी–एजिंग में भी घी फायदेमंद होता है। घी में एंटी–ऑक्सीडेंट पाया जाता है, जो हमारी त्वचा का निखार लाने में मदद करता है। चेहरे पर खुजली, होंठ फटना और इचिंग जैसी परेशानियों में भी अच्छा माना जाता है। घी में मौजूद एंटी–एजिंग हमारे फेस पर उम्र के कारण आने वाले प्रभावों को कम करता है। लेकिन घी का फेस पर सही तरीके से इस्तेमाल न करने पर इसके कई नुकसान भी हो सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

फेस पर घी लगाने के दौरान आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। घी को चेहरे पर अप्लाई करने से पहले अच्छे से फेसवॉश कर लें। वहीं चेहरे पर घी लगाने के बाद अच्छे से मसाज करें। इससे आपको दोगुना फायदा मिलेगा। अगर आप घी के साथ केसर का इस्तेमाल करते हैं तो इसको स्किन के लिए काफी ज्यादा फायदा मिलता है। केसर की कुछ पंखुड़ियों को घी में मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर इसको 20 मिनट के लिए चेहरे पर अप्लाई कर लें। 20 मिनट बाद नॉर्मल पानी से चेहरे को धो लें। घी का बेसन के साथ इस्तेमाल करने पर पिगमेंटेशन की समस्या खत्म होती है। साथ ही झुर्रियां और दाग–धब्बों को भी कम करने में यह नुस्खा काफी कारगर है। घी को गुलाबजल के साथ मिलाकर चेहरे पर लगा लें। फिर करीब 1 घंटे बार नॉर्मल पानी से चेहरा धो लें। ऑयली और सेंसिटिव स्किन होने पर चेहरे पर घी लगाने से पहले एक्सपर्ट्स की सलाह जरूर लेनी चाहिए। आपको बता दें कि रात को सोने के दौरान स्किन पर घी अप्लाई करने से रंग में बदलाव लाया जा सकता है। अगर आप भी डार्क रंग से परेशान हैं, तो घी का इस तरह से इस्तेमाल करने से आपको फायदा मिलेगा।

सर्दियों में बर्तन धोने से कतराता है दिल? इन ट्रिक्स से चुटकियों में करें साफ

सर्दी के मौसम में लोग पानी से जुड़े कम ही काम करना पसंद करते हैं, क्योंकि पानी ठंडा होता है और हाथ में बर्फ जैसे ठंडे हो जाते हैं। लेकिन बर्तन धोना एक ऐसा काम है जो हर महिला को मजबूरी में करना ही होता है। न चाहते हुए बर्तन साफ करने के लिए ठंडे पानी में हाथ डालना ही पड़ता है। हालांकि अगर सर्दियों में आपका बर्तन धोने का मन बिल्कुल ही करता है और कोई आसान ट्रिक की तलाश में हैं तो ये स्टोरी आपके लिए है...

ग्लव्स का करें इस्तेमाल

सर्दियों में साफ बर्तन को धोने के लिए ग्लव्स का इस्तेमाल करना एक बहुत अच्छा ऑप्शन है। इससे आपको ठंड भी कम लगती है और आपके हाथों की सॉफ्टनेस भी बनी रहती है। ऐसे में बर्तन धोने से पहले हाथों में ग्लव्स पहन लें। साथ में सिंक में ढेर सारे बर्तन इक्ट्ठा करने के बजाए थोड़े– थोड़े बर्तनों को धोते रहें।

गर्म पानी से धोएं बर्तन

सर्दियों में बर्तनों को चुटकियों में चमकाने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल बेस्ट होता है। ऐसे में बर्तन धोने से पहले सारे बर्तनों को गर्म पानी में भिगो लें। कुछ समय के बाद बर्तनों को निकालकर स्पंज से रह करने से बर्तन जल्दी साफ हो जाएंगे।

जले बर्तनों को ऐसे करें चुटकियों में क्लीन

सर्दियों में जले बर्तनों को साफ करना काफी मुश्किल काम होता है। ऐसे में नमक की मदद से आप बर्तनों तो आसानी से चमका सकते हैं। इसके लिए स्क्रब पैड पर नमक और डिश वॉश लगाकर बर्तनों को रब करें। इससे जले हुए बर्तन आसानी से साफ हो जाएंगे।

ये है सर्दियों में बर्तन चमकाने का बेस्ट तरीका

1. सर्दियों में सभी तरह के बर्तनों को मिनटों में क्लीन करने के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खे ट्राई कर सकते हैं।

2. इसके लिए सिंक की नाली बंद करके बर्तनों को इसमें डालें और सिंक में पानी भर दें।

3. अब इस पानी में 2 चम्मच बेकिंग सोडा, 2 चम्मच सिरका, नींबू का रस और 1 कप हाइड्रोजन पेरोक्साइड मिक्स कर दें।

4. 15 मिनट बाद साफ पानी से धोने पर बर्तन बिल्कुल नए जैसे चमक जाएंगे।

सर्दियों में चाय नहीं पीएं दालचीनी का काढ़ा, मिलेंगे कई सारे फायदे

सर्दियों के मौसम में कई तरह की मौसमी बीमारियों और वायरल फ्लू होने का खतरा रहता है। इस समस्याओं से बचाव के लिए लोग हेल्दी डाइट लेते हैं ताकि इम्यूनिटी स्ट्रांग हो और बीमारी से लड़ने के लिए शरीर में ताकत हो। आप दालचीनी का काढ़ा भी अपनी डाइट में शामिल करें। इस काढ़े को पीने से सर्दी– जुकाम और वायरल जैसी समस्याओं से बचाव होता है। दालचीनी में मौजूद थायमिन, कैल्शियम, नियासिन, विटामिन और पोटेशियम पीने से शरीर अंदर से स्ट्रांग करते हैं। आइए आपको बताते हैं दालचीनी का काढ़ा बनाने पीने के फायदे और इसे बनाने की विधि...

दालचीनी का काढ़ा पीने के फायदे

वेट लॉस

वजन को कंट्रोल करना चाहते हैं तो दालचीनी और अदरक की चाय के काढ़े का सेवन करें। इसमें मौजूद पोषक तत्व वजन को कंट्रोल करने में मददगार हैं।

सर्दी–जुकाम

सर्दी–जुकाम से बचाव के लिए आप दालचीनी और अदरक का काढ़ा पी सकते हैं। इसमें मौजूद एंटी वायरल, एंटी– बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज, सर्दी– जुकाम की समस्या को दूर करने में फायदेमंद होती है।

जॉइंट पेन

सर्दियों में होने वाले जोड़ों में दर्द और सूजन की समस्या से बचाव के लिए आप दालचीनी और अदरक का काढ़ा पी सकते हैं। इस चाय में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, यहां सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

ऐसे बनाएं दालचीनी का काढ़ा

सामग्री

दालचीनी– 1 चम्मच

अदरक– आधा कटा हुआ

तुलसी के पत्ते– 3–4

काली मिर्च पाउडर– 1 चम्मच

मुनक्का– 1 से 2

लौंग– 3–4

हल्दी पाउडर– आधा चम्मच

दालचीनी का काढ़ा बनाने का तरीका

इस काढ़े को बनाने के लिए एक पैन में पानी डालें और उसमें अदरक, दालचीनी, तुलसी का पत्ता, काली मिर्च पाउडर, लौंग, मुनक्का और हेल्दी पाउडर डालें। इसके बाद इस पानी को कम से कम 15– 20 मिनट के लिए उबलने के लिए छोड़ दें। उबल जाने के बाद इस पानी को छान लें और हल्का ठंडा होने दें। स्वाद के लिए शहद मिला लें। तैयार है आपका दालचीनी का काढ़ा। इसे आप सुबह को चाय की जगह पीएं।

संक्षिप्त

बढ़त के साथ खुला शेयर बाजारय सेंसेक्स 149 अंक चढ़ा, निफ्टी 25800 के ऊपर

नई दिल्ली। शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने गुरुवार को सकारात्मक शुरुआत की, लेकिन एशियाई बाजारों में कमजोर रुझानों और लगातार विदेशी निधि ा निकासी के बीच जल्द ही शुरुआती बढ़त खोकर नकारात्मक दायरे में कारोबार करने लगे। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बढ़त के साथ खुला और 149.3 अंक या 0.17 प्रतिशत चढ़कर 84,540.57 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 45.05 अंक बढ़कर 25,803.05 पर पहुंच गया। शुरुआती

कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 5 पैसे गिरकर 89.99 पर आ गया। हालांकि, बिकवाली का दबाव बढ़ने के साथ ही दोनों प्रमुख सूचकांकों ने अपनी बढ़त खो दी, सेंसेक्स 222.39 अंक या 0.26 प्रतिशत गिरकर 84,168.88 पर और निफ्टी 50.90 अंक गिरकर 25,707.10 पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाइटन, पावरग्रिड, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व और आईटीसी पिछड़ गईं। दूसरी ओर, इटरनल, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी इंडिया, कोटक महिंद्रा बैंक, अदानी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो, इंफोसिस और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ कमाने वालों में शामिल थे। एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 बेंचमार्क, शंघाई का एसएसई कंपोजिट, हांगकांग का हैंग सेंग और दक्षिण कोरिया का कोस्पी निचले स्तर पर कारोबार कर रहे थे। फेडरल रिजर्व द्वारा दिसंबर की बैठक में फेडरल फंड दर को 25 आधार अंकों से घटाकर 3. 5–3.75 प्रतिशत की सीमा में लाने के बाद बुधवार को वॉल स्ट्रीट में रात भर के कारोबार में तेजी देखी गई। हालांकि, नीति निर्माताओं ने सितंबर से संघीय निधि दर के लिए अपने अनुमानों को अपरिवर्तित रखा है, जो 2026 में केवल 25 आध ाार अंकों की एक कटौती का संकेत देता है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 0.03 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 62.23 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इस बीच, एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,651.06 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिक्री की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,752.31 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। बुधवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 275.01 अंक गिरकर 84,391.27 पर बंद हुआ, जबकि व्यापक एनएसई निफ्टी 81.65 अंक गिरकर एक महीने के निचले स्तर 25,758 पर बंद हुआ।

एआई की बढ़ी मांग के कारण बढ़ी टीएसएमसी की रेवेन्यू , नवंबर महीने में सालाना आधार पर 24.5 प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली। दुनिया में एआई की बढ़ती मांग का असर अब इन्हें बनाने वाली कंपनियों पर दिखने लगा है। ताइवान की सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनी टीएसएमसी का राजस्व नवंबर में पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। माना जा रहा है कि यह वृद्धि एआई चिप्स की मजबूत वैश्विक मांग के कारण हुई है। हालांकि मासिक आधार पर राजस्व की बात करें तो यह अक्तूबर की तुलना में कम रहा। कंपनी ने 343.61 अरब का शुद्ध लाभ दर्ज किया कंपनी के आधिकारिक बयान के अनुसार, नवंबर 2025 के लिए उसका समेकित शुद्ध राजस्व 343.61 अरब न्यू ताइवान डॉलर (एनटीडी) रहा। यह लगभग 10.99 अरब डॉलर (1 एनटीडी = 0.032 डॉलर) के बराबर है। कंपनी ने बयान में कहा कि समेकित आधार पर, नवंबर 2025 का राजस्व लगभग 343.61 अरब एनटीडी था। यह अक्तूबर 2025 से 6.5 प्रतिशत कम और नवंबर 2024 से 24.5 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के बयान के अनुसार, यह नवंबर 2024 में दर्ज किए गए 276.06 अरब एनटीडी (8.83 अरब अमेरिकी डॉलर) से 24.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। हालांकि, मासिक आधार पर, राजस्व अक्तूबर 2025 में दर्ज किए गए एनटीडी 367.47 अरब (11.76 अरब डॉलर) से 6.5 प्रतिशत कम रहा। यह पिछले महीनों में मजबूत वृद्धि के बाद अल्पकालिक मांग में नरमी को दर्शाता है। 2025 के पहले ग्यारह महीनों में, दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता कंपनी ने कुल एनटीडी 3,474.05 अरब का राजस्व अर्जित किया, जो 111.17 अरब डॉलर के बराबर है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज किए गए एनटीडी 2,616.14 अरब (83.72 अरब डॉलर) की तुलना में 32.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कंपनियों की ओर से अपने एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के कारण एआई एक्सेलेरेटर और उन्नत पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों की मांग विश्व स्तर पर मजबूत बनी हुई है। साल–दर–साल की यह वृद्धि उन्नत सेमीकंडक्टर निर्माण, विशेष रूप से एआई सर्वर, बड़े पैमाने पर कंप्यूटिंग और प्रीमियम स्मार्टफोन के लिए उपयोग किए जाने वाले उच्च–प्रदर्शन चिप्स में कंपनी के निरंतर नेतृत्व को उजागर करती है। महीने–दर–महीने मामूली गिरावट के बावजूद, कंपनी की दोहरे अंकों वाली वार्षिक वृद्धि वैश्विक स्तर पर एआई इकोसिस्टम के विस्तार और इन तकनीकों के लिए आवश्यक अत्याधुनिक चिप्स की आपूर्ति में टीएसएमसी की केंद्रीय भूमिका को दर्शाती है। टीएसएमसी प्रमुख वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों की एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनी हुई है। विभिन्न उद्योगों में एआई के बढ़ते उपयोग से इसे और अधिक लाभ मिलने की उम्मीद है।

क्या कोहली–रोहित की सैलरी से कटेंगे 2–2 करोड़, कैसे तय होता है खिलाड़ी का वेतन?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट में अगले चक्र के बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट यानी केंद्रीय अनुबंध को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अप्रैल 2025 में जारी हुए पिछले कॉन्ट्रैक्ट के बाद अब नए चक्र से पहले यह खबर तेजी से फैल रही है कि टीम इंडिया के दो दिग्गज, विराट कोहली और रोहित शर्मा को अगले सत्र में वेतन कटौती का सामना करना पड़ सकता है। कोहली और रोहित सिर्फ एक प्रारूप, वनडे में टीम का हिस्सा हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बोर्ड इसे देखते हुए, एक ग्रेड कम करने पर विचार कर रहा है। ये कॉन्ट्रैक्ट सिर्फ खिलाड़ियों को एक साल का वेतन देने का जरिया नहीं हैं, बल्कि यह बीसीसीआई का एक सुव्यवस्थित मॉडल है जिसके जरिए प्रदर्शन, निरंतरता, क्रिकेट के अलग– अलग प्रारूपों में योगदान और चयनकर्ताओं के मूल्यांकन के आधार पर खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में बीसीसीआई ने कई चौंकाने वाले फैसले भी लिए, जिसकी कभी सराहना हुई तो कभी आलोचना झेलनी पड़ी। केंद्रीय अनुबंध में जगह बनाने के लिए बीसीसीआई ने पिछले चक्र में कुछ बदलाव भी किए थे। आइए इसके बारे में जानते हैं...

बीसीसीआई हर साल खिलाड़ियों को चार ग्रेड में बांटता है– ए (।), ए (।), बी, और सी। हर ग्रेड के साथ एक तय सालाना वेतन जुड़ा होता है, जिसे रिटेनर फीस कहा जाता है। सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से मिलने वाली राशि मैच फीस से अलग होती है, यानी खिलाड़ी चाहे जितने मैच खेलें, यह वार्षिक रिटेनर तय रहता है।

ए ग्रेड में आने वाले क्रिकेटरों को सालाना सात करोड़ रुपये सैलरी मिलती है। इसमें गिने चुने और नामी क्रिकेटर होते हैं।

ए ग्रेड में आने वाले क्रिकेटरों को सालाना पांच करोड़ रुपये सैलरी मिलती। इसमें भी अहम खिलाड़ियों को जगह दी जाती है।

बी ग्रेड में आने वाले क्रिकेटरों को सालाना तीन करोड़ रुपये सैलरी मिलती है। इसमें ज्यादातर वो खिलाड़ी होते हैं, जो एक या दो फॉर्मेट में खेल रहे हों, लेकिन कोर टीम का हिस्सा हैं।

सी ग्रेड में आने वाले क्रिकेटरों को सालाना एक करोड़ रुपये सैलरी मिलती है। इसमें वो खिलाड़ी होते हैं, जिनकी टीम में जगह हमेशा पक्की न हो या फिर जिन्हें ज्यादा मैचों का अनुभव न हो। या फिर किसी एक फॉर्मेट में तय मैच खेल चुके हों। इसमें खिलाड़ियों की एंट्री होती रहती है।

1. फॉर्मेट प्राथमिकता और टेस्ट क्रिकेट का महत्व

बीसीसीआई की नीति में टेस्ट क्रिकेट को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। जो खिलाड़ी तीनों फॉर्मेट में खेलते हैं, या फिर टेस्ट में बड़ा योगदान देते हैं, उन्हें ए ग्रेड मिलता है। इसी आधार पर उम्मीद है कि भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को आने वाले चक्र में ए श्रेणी में शामिल किया जा सकता है।

2. प्रदर्शन और निरंतरता सबसे अहम

खिलाड़ियों का ग्रेड उनके पिछले कॉन्ट्रैक्ट साइकिल के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। लगातार अच्छा प्रदर्शन करने पर प्रमोशन दिया जाता है। वहीं, फॉर्म, फिटनेस या भागीदारी में गिरावट पर डिमोशन दिया जाता है।इसी वजह से कोहली और रोहित की स्थिति पर चर्चा शुरू हुई है।

किसी भी खिलाड़ी को ग्रेड सी के लिए पात्र बनने के लिए न्यूनतम अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने होते हैं। जैसे किसी एक खिलाड़ी को सी ग्रेड में शामिल होने के लिए तीन टेस्ट, आठ वनडे या 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलना जरूरी है। सिर्फ ज्यादा मैच खेलने से उच्च ग्रेड नहीं मिलता, फॉर्मेट की प्राथमिकता और प्रदर्शन ज्यादा महत्वपूर्ण है।

4. घरेलू क्रिकेट में उपस्थिति अनिवार्य

हाल के वर्षों में बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि जो खिलाड़ी टीम इंडिया के लिए नहीं खेल रहे हैं, उन्हें घरेलू क्रिकेट, खासकर रणजी ट्रॉफी खेलना होगा। इस नियम का पालन न करने पर कई खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट से बाहर भी किया गया है। श्रेयस अय्यर और ईशान किशन इसका सटीक उदाहरण हैं।

कोहली और रोहित वर्तमान कॉन्ट्रैक्ट में ए श्रेणी में शामिल हैं, लेकिन भविष्य में यह बदल सकता है। दोनों खिलाड़ी अब टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं खेलते। ए श्रेणी केवल ऑल–फॉर्मेट खिलाड़ियों के लिए रखी जाती है।

रोहित और कोहली के अनुबंध पर बीसीसीआई एजीएम में होगी चर्चा, क्या गिल को मिलेगा प्रमोशन

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की शीर्ष परिषद की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के बाद होगी। इस एजीएम में रोहित शर्मा और विराट कोहली के अनुबंध को लेकर चर्चा हो सकती है। माना यह जा रहा है कि भारतीय वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का प्रमोशन हो सकता है और उन्हें अनुबंध में ए प्लस श्रेणी में रखा जा सकता है। बीसीसीआई जब वार्षिक अनुबंध की घोषणा करेगा तो इस बात की संभावना अधिक है कि गिल सीनियर ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ ए प्लस श्रेणी में शामिल होंगे। गिल फिलहाल ए खिलाड़ियों की श्रेणी में हैं। बीसीसीआई की एजीएम 22 दिसंबर को होगी। शीर्ष परिषद की 31वीं एजीएम ऑनलाइन होगी जिसमें कोहली और रोहित के अनुबंध ा पर फैसला होने की उम्मीद है। ये दोनों पिछले एक साल में टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे क्रिकेट खेलते हैं। अन्य मामलों में अंपायरों और मैच रेफरी के भुगतान में बदलाव के साथ–साथ बोर्ड की डिजिटल संपत्तियों के अपडेट पर भी चर्चा होगी।

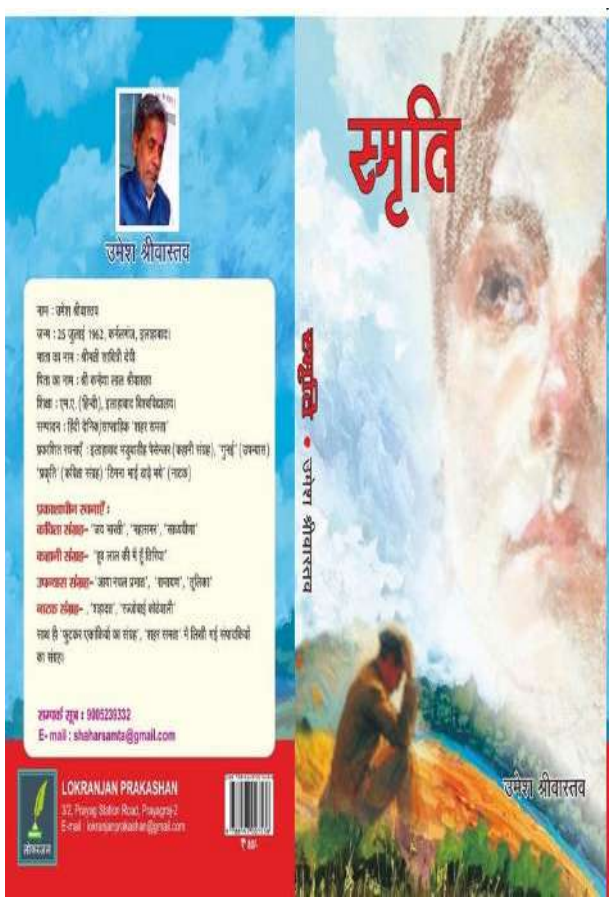

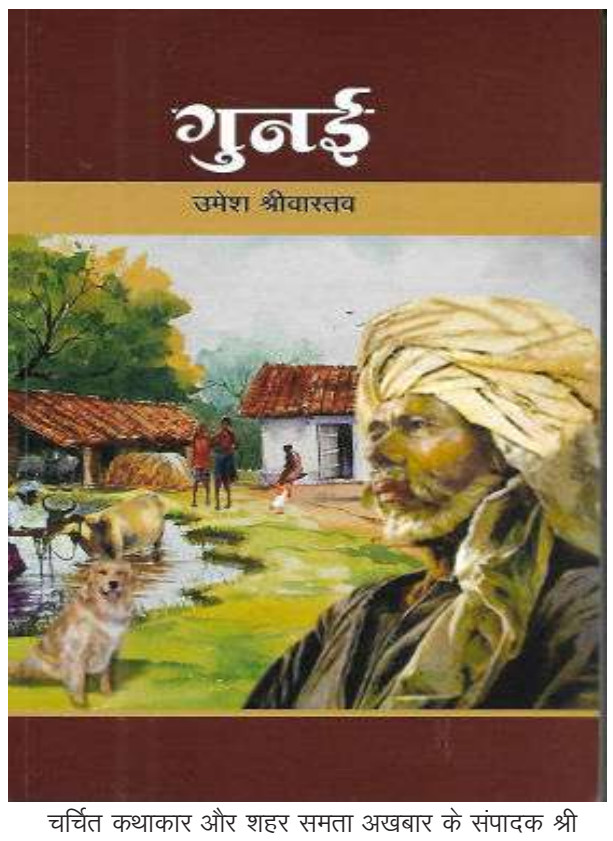

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

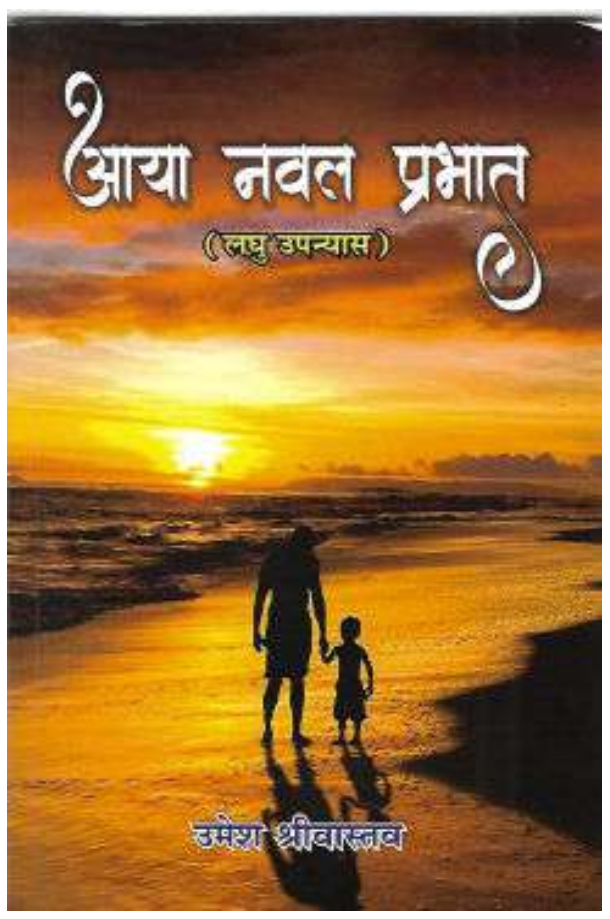

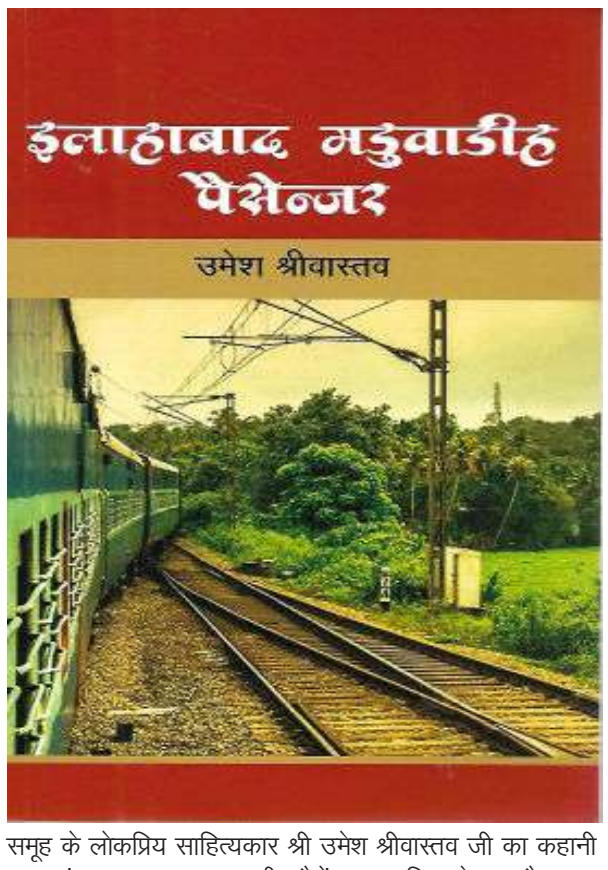

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

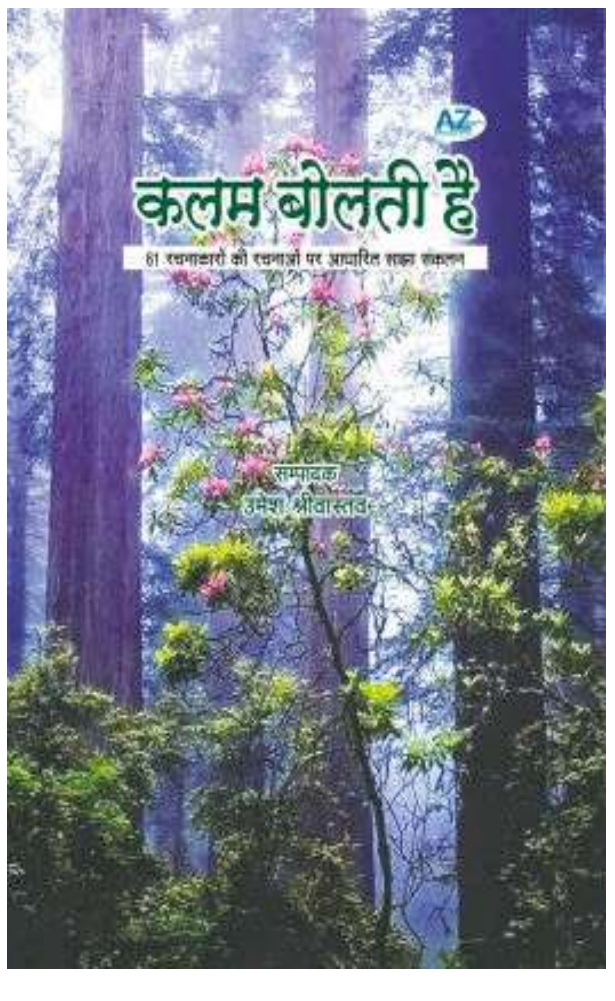

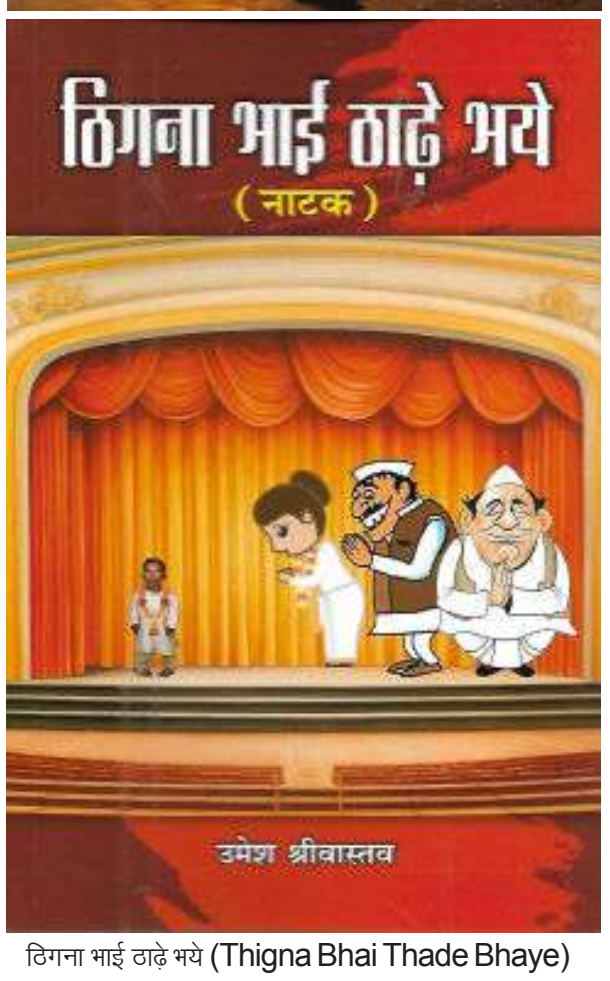

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

यूएनएससी में भारत ने पाक को लताड़ारू कहा- अफगानिस्तान को व्यापार के लिए बनाए कठिन हालात

संयुक्त राष्ट्र,एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में कहा कि तालिबान के साथ व्यावहारिक संवाद की जरूरत है। केवल दंड देने वाले उपायों पर फोकस करने से अफगानिस्तान पहले जैसी स्थिति में ही रहेगा। भारत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसे नीतिगत उपाय अपनाने चाहिए, जो अफगान लोगों को स्थायी लाभ प्रदान कर सकें। संयुक्त राष्ट्र में भारती के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि तालिबान के साथ व्यावहारिक संवाद होना चाहिए और नीति ऐसी होनी चाहिए जो सकारात्मक कदमों को प्रोत्साहित करे। उन्होंने आगे कहा कि केवल दंड देने वाले उपायों पर फोकस करने से पिछले साढ़े चार वर्षों की तरह हालात बने रहेंगे। हरीश ने अफगान जनता की विकास जरूरतों को पूरा करने में भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने आगे कहा कि काबुल में दिल्ली के तकनीकी मिशन को दूतावास का दर्जा देने का हालिया फैसला इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हरीश ने कहा कि भारत अफगान जनता की प्राथमिकताओं और आकांक्षाओं के अनुसार अफगानिस्तान के समग्र विकास, मानवीय मदद और क्षमता निर्माण परियोजनाओं में अपने योगदान को बढ़ाने के लिए सभी पक्षों से जुड़ा रहेगा। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी अक्तूबर छह दिवसीय भारत दौरे पर आए थे। यह तालिबान के सत्ता में आने के बाद भारत आने वाले पहले वरिष्ठ मंत्री थे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुत्ताकी के साथ वार्ता की थी और काबुल में दिल्ली के तकनीकी मिशन दूतावास के रूप में अपग्रेड करने और अफगानिस्तान में विकास कार्यों को फिर से शुरू करने का एलान किया था। तालिबान के सत्ता में आने के बाद अगस्त 2021 में भारत ने अपने अधिकारियों को काबुल से वापस बुला लिया था। जून 2022 में भारत ने अफगानिस्तान की राजधानी में तकनीकी टीम भेजकर अपनी कूटनीतिक मौजूदगी फिर से मजबूत की। हरीश ने कहा कि भारत अफगानिस्तान में सुरक्षा स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। उन्होंने पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए जोर देकर कहा कि उन संस्थाओं और व्यक्तियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समुदाय को तालमेल बनाने का प्रयास करना चाहिए, जिन्हें सुरक्षा परिषद ने आतंकवादी घोषित किया है। इनमें आईएसआईएल, अल–कायदा, और उनके सहयोगी लश्कर–ए–तैयबा, जैश–ए–मोहम्मद आदि शामिल हैं। भारत ने अफगानिस्तान पर हवाई हमलों को लेकर भी चिंता जताई और निर्दोष महिलाओं– बच्चों और खिलाड़ियों की हत्या की निंदा की। हरीश ने कहा कि अफगानिस्तान के लोगों को व्यापार और पारगमन के तहत कई वर्षों से मुश्किल परिस्थितियों में रखा जा रहा है, जो विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मानकों का उल्लंघन है और एक चौतरफा जमीनी सीमा से घिरे देश के खिलाफ युद्ध जैसी कार्रवाई है। उन्होंने कहा कि भारत अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुत्ता और स्वतंत्रता का मजबूती से समर्थन करता है।

प्रतिनिधि सभा से रक्षा विधेयक पारित, सैनिकों का वेतन बढ़ाने और हथियार खरीद प्रक्रिया बदलने का प्रावधान

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा ने बुधवार को एक अहम रक्षा नीति विधेयक को पारित किया। इस विधेयक में 900 अरब डॉलर के सैन्य कार्यक्रमों को मंजूरी देने की बात कही गई है। इसमें सैनिकों की तनख्वाह बढ़ाने और रक्षा मंत्रालय द्वारा हथियारों की खरीद के तरीके में सुधार करने का प्रावधान शामिल है। यह बिल ऐसे समय में आया है, जब रिपब्लिकन पार्टी के नियंत्रण वाली कांग्रेस (संसद) और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के बीच सैन्य प्रबंधन को लेकर मतभेद बढ़ रहे हैं। इस विधेयक का नाम श्राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधि

ानियमश (एनडीएए) है। इस विधेयक को दोनों राजनीतिक दलों का समर्थन मिल रहा है और व्हाइट हाउस ने भी यह कहते हुए इसका मजबूती से समर्थन किया है कि यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के अनुरूप है। फिर भी इस तीन हजार से अधिक पन्नों वाले विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान भी हैं, जो रक्षा मंत्रालय पर नियंत्रण बढ़ाने के उद्देश्य से हैं। इनमें कैरिबिया में नावों पर हमलों पर अधिक जानकारी मांग, यूरोप में यूक्रेन जैसे सहयोगियों को समर्थन देने जैसे प्रावधान भी हैं। इस विधेयक में अधिकांश सैन्य कर्मियों के वेतन में 3.8 फीसदी की वृद्धि और सैन्य ठिकानों पर रहने और सुविधाओं में सुधार करने और राजनीतिक दलों के बीच समझाते का प्रावधान भी है। ट्रंप की नीति के अनुरूप इसमें जलवायु और विविधता से जुड़े प्रयासों को कम किया गया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

भारत को छोड़ पाकिस्तान के साथ जाने को बेताब बांग्लादेश, चीन बना इसका सरपरस्त

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश में पिछले साल सत्ता परिवर्तन के बाद से ही स्थितियां गंभीर बनी हुई हैं। खासकर मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में बांग्लादेश लगातार कट्टरपंथ की तरफ बढ़ा है। आलम यह है कि उसकी विदेश नीति भी भारत से दूर होकर पाकिस्तान पर केंद्रित होती दिख रही है। इसका एक उदाहरण बुधवार को मिला, जब बांग्लादेश के मौजूदा विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा कि यह कूटनीतिक तौर पर संभव है कि बांग्लादेश, पाकिस्तान के उस क्षेत्रीय गठबंधन में शामिल हो जाए, जिसमें भारत शामिल नहीं है। बांग्लादेश की न्यूज एजेंसी संवाद संस्था (बीएसएस) की रिपोर्ट के मुताबिक, तौहीद ने कहा कि इस तरह के कूटनीतिक समूह में नेपाल और भूटान का शामिल होना शायद संभव न हो। उन्होंने कहा, ष्यह

हमारे लिए (बांग्लादेश के लिए) कूटनीतिक तौर पर संभव है, लेकिन नेपाल और भूटान का पाकिस्तान के साथ किसी समूह में शामिल होना, वह भी जिसमें भारत न हो, के साथ जुड़ना मुमकिन नहीं है।

तौहीद ने कहा कि इशाक डार ने कुछ कहा है और किसी मौके पर इसमें प्रगति भी हो सकती है। हालांकि, उन्होंने मामले पर आगे टिप्पणी से इनकार कर दिया और कहा कि उन्हें ऐसे गठबंधन के बारे में मीडिया से ही जानकारी मिली है। पाकिस्तान के उप–प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने हाल ही में दावा किया था कि बांग्लादेश–चीन और पाकिस्तान का त्रिपक्षीय गठबंधन बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है और इसे बाकी क्षेत्रीय और क्षेत्र के बाहर की ताकतों को शामिल कर के बढ़ाया जा सकता है। बता दें कि अगस्त 2024 में शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही इस देश का रुख पाकिस्तान की तरफ नरम हुआ है। बांग्लादेश ने उसी देश के साथ अपने रिश्तों को गहरा करना शुरू कर दिया है, जिसकी सत्ता ने कभी पूर्वी पाकिस्तान में बांग्ला भाषियों पर जुल्म ढाए थे। यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच रक्षा, व्यापार, कूटनीतिक और ढाचांगत मामलों से जुड़ी चर्चाएं और समझौते हुए हैं।

गौरतलब है कि दक्षिण एशिया में भारत के बिना अलग–अलग देशों के गठबंधन की चर्चाओं को चीन ने ही जोर–शोर से बढ़ाया। इस एवज में चीन ने इस साल जून में एक त्रिपक्षीय बैठक भी रखी थी, जिसमें चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के सचिव स्तर के अधिकारियों की मुलाकात हुई थी। इस बैठक को चीन के कुनमिंग में रखा गया था। इसी दौरान ऐसी खबरें आई थीं कि पाकिस्तान और चीन साथ में एक नया क्षेत्रीय गठबंधन बनाने की तैयारी कर रहे हैं, जो कि सार्क (साउथ एशियन एसोसिएशन फॉर रीजनल कोऑपेशन) का विकल्प बन सकता है। चूंकि सार्क में भारत सबसे प्रमुख ताकत वाला देश है, इसलिए पाकिस्तान की आवाज इस संगठन में कमजोर पड़ जाती है। सार्क बीते कुछ वर्षों में पूरी तरह से निष्क्रिय है। 2016 में पाकिस्तानी आतंकी संगठनों की तरफ से अंजाम दिए गए उड़ी हमले के बाद से ही इस संगठन की प्रमुख बैठकें नहीं हुई हैं। इसी मौके का फायदा उठाकर पाकिस्तान ने चीन की मदद से दक्षिण एशिया में भारत के बिना एक गठबंधन बनाने की कोशिशें शुरू कर दीं। चूंकि बांग्लादेश में भी भारत का समर्थन करने वाली शेख हसीना को सत्ता से हटा दिया गया, ऐसे में पाकिस्तान को यूनुस सरकार को अपने साथ लाने में सफलता मिली।

अमेरिकी संसद में दिखी पुतिन–मोदी की कार वाली सेल्फी, डेमोक्रेट सांसद बोलीं- ये तस्वीर हजार शब्दों के बराबर

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका और भारत के व्यापारिक संबंध ट्रंप की टैरिफ नीति के चलते बहुत बेहतर नहीं है। ऐसे में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भारत दौरा अमेरिका में खूब चर्चा में है। इतना ही नहीं इस दौरे को आधार बनाकर विशेषज्ञ और अमेरिकी सांसद ट्रंप की व्यापार नीतियों को लेकर कई कठोर सवाल भी पूछते नजर आ रहे हैं। इस बात को ज्यादा हवा तब मिली जब डेमोक्रेट सांसद सिडनी कैमलेगर–डव ने पहले तो पुतिन और पीएम मोदी की कार वाली सेल्फी को अमेरिकी संसद में बड़ा सा पोस्ट बनाकर दिखाया, फिर भारत और रूस के संबंध में बढ़ती नजदीकियां और अमेरिका और भारत के संबंध में खटास का जिक्र करते हुए ट्रंप और उनकी व्यापारिक नीति की खूब आलोचना भी की। डेमोक्रेट सांसद सिडनी

कैमलाजर डोव ने संसद में संबोधन के दौरान भारत और अमेरिका के संबंधों में आई तल्खियों को लेकर ट्रंप को जिम्मेदार बताया। साथ ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे का भी जिक्र किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की कार वाली सेल्फी का बड़ा सा पोस्ट भी दिखाया।

अमेरिकी सांसद कैमलेगर डव ने पुतिन और पीएम मोदी की सेल्फी का जिक्र करते हुए कहा कि यह तस्वीर हजारों शब्दों के बराबर है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जबरदस्ती वाली नीतियों का भारी मूल्य चुकाना पड़ता है। उन्होंने चेताया कि ट्रंप की नीतियों ने अमेरिका के रणनीतिक साझेदारों को हमारे प्रतिद्वंद्वियों की ओर धकेल दिया। डव ने इस बात पर जोर दिया कि हमे तुरंत कार्रवाई करनी होगी ताकि अमेरिका और भारत साझेदारी को फिर से मजबूत किया जा सके। इस दौरान सांसद प्रमिला जयापल ने व्यापार और आव्रजन (इमिग्रेशन) नीतियों के कारण भारत–अमेरिका आर्थिक और लोगों के बीच संबंधों पर पड़ रहे असर को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि दोनों देशों में लगे टैरिफ कारोबार और उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचा रहे हैं। सांसद जयापल की यह टिप्पणी ट्रंप के हालिया बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने भारत से चावल के आयात पर नए टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत अमेरिकी किसानों को नुकसान पहुंचाते हुए सस्ते चावल निर्यात कर रहा है। इस दौरान ट्रंप ने अमेरिकी कृषि उत्पादकों के लिए 12 अरब डॉलर की मदद पैकेज की घोषणा भी की।

बता दें कि बैठक में कई अमेरिकी किसानों ने शिकायत की कि भारत, वियतनाम और थाईलैंड से सस्ते आयात के कारण घरेलू कीमतें घट रही हैं। ट्रंप ने कहा कि इस समस्या का समाधान करने के लिए वे अतिरिक्त शुल्क लगाने पर विचार करेंगे। कुल मिलाकार सांसदों का मानना है कि अगर इन मुद्दों का तुरंत समाधान नहीं हुआ, तो दोनों देशों के बीच व्यापार और रणनीतिक सहयोग पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। गौरतलब है कि अमेरिका और भारत के बीच के संबंध में चल रही तल्खी के बीच 10–11 दिसंबर 2025 को अमेरिका की एक व्यापार टीम भारत में वार्ता करने के लिए मौजूद है। लेकिन बाजार तक पहुंच और टैरिफ विवाद के कारण बातचीत ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाई। अगस्त 2025 में अमेरिका ने अधिकांश भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया था, विशेष रूप से भारत की रूसी तेल की खरीद को लेकर।

क्या फिर गृहयुद्ध की दल-दल में फंसा यमन ? यूएई समर्थित एसटीसी ने तेल-समृद्ध इलाकों पर किया कब्जा

सना,एजेंसी। यमन में कई साल से चल रही अशांति बीच दक्षिणी हिस्से में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) समर्थित अलगाववादी संगठन सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी) ने देश के तेल–समृद्ध इलाकों हदरामौत और महरा के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इससे अब तक बनी हुई हाल की शांति टूट गई है और क्षेत्र में नए तनाव बढ़ने लगे हैं। देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों से यमन में लड़ाई कुछ कम हो गई थी, क्योंकि सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच एक तरह का समझौता हो गया था। लेकिन एसटीसी की इस नई कार्रवाई से हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं। एसटीसी दक्षिण यमन को अलग देश बनाने की मांग करने वाला बड़ा संगठन है। इसे यूएई का राजनीतिक और सैन्य समर्थन मिलता है। यह संगठन 2017 में बना था और दक्षिणी यमन के बड़े हिस्से में इसकी पकड़ मजबूत है। एसटीसी के प्रमुख ऐदारूस अल–जुबैदी देश की राष्ट्रपति परिषद के उपाध्यक्ष भी हैं। बता दें कि 2014 में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने राजधानी सना पर कब्जा कर लिया। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को देश छोड़ना पड़ा। एक साल बाद 2015 में सऊदी अरब और यूएई इस युद्ध में सरकार की मदद के लिए शामिल हुए। हालांकि तब से यमन दो हिस्सों में बंट चुका था। एक तरफ उत्तरी इलाके में हूतियों के कब्जें में और दूसरी ओर दक्षिणी हिस्से सरकार व उसके समर्थक समूहों के नियंत्रण में था। दरसअल इसी महीने एसचीसी ने अचानक हदरामौत में मार्च करते हुए बड़े तेल प्रतिष्ठानों पर कब्जा कर लिया, जिनमें यमन की सबसे बड़ी तेल कंपनी पेट्रोमसीला भी शामिल है। इससे पहले सऊदी समर्थित स्थानीय कबीलों ने तेल राजस्व में हिस्सेदारी बढ़ाने की मांग करते हुए इस इलाके पर कुछ समय के लिए कब्जा किया था। ऐसे में एसटीसी ने इसी को मौका बनाकर अपनी ताकत बढ़ाई और इलाके पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। इसके बाद एसटीसी ने पड़ोसी प्रांत महरा में भी प्रवेश किया और ओमान सीमा पर स्थित एक महत्वपूर्ण चेकपोस्ट पर कब्जा कर लिया। अदन में उन्होंने राष्ट्रपति भवन पर भी नियंत्रण कर लिया, जहां सरकारी नेतृत्व बैठता है। इस बात को ऐसे समझ सकते हैं कि यमन में और एसटीसी की कार्रवाई को सऊदी अरब ने खतरे की तरह देखा है। सऊदी सेना ने कुछ दिन पहले ही अदन से अपने सैनिक हटा लिए थे और अब वह हालात शांत करने की कोशिश कर रहा है। सऊदी अधिकारियों ने साफ कहा कि वे तथ्य को जबरन थोपने जैसी किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं करेंगे। उनका संकेत साफ है कि एसटीसी ने सीमा लांघ दी है और उन्हें यह कदम मंजूर नहीं। वहीं अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का कहना है कि यूएई इस स्थिति से सबसे बड़ा फायदा उठा रहा है और यमन में उसकी पकड़ और मजबूत हो रही है।

सड़कों पर उतरे दस लाख से ज्यादा कामगार, उड़ान-रेल-सरकारी सेवाओं के बाधित होने की उम्मीद

लिस्बन,एजेंसी। पुर्तगाल में गुरुवार को देश के दो मुख्य कर्मचारी संघों की हड़ताल ने देशभर में हलचल पैदा कर दी है। संभावना इस बात की तेज है कि इस हड़ताल के चलते देशभर में बड़े पैमाने पर फ्लाइट और ट्रेन सेवाओं में रुकावट आएंगी। साथ ही कई सरकारी सेवाओं का बंद रहना और मेडिकल अपॉइंटमेंट व स्कूल–कॉलेज की क्लासें रद्द होने की संभावना तेज है। मीडिया रिपोर्टस की माने तो इस हड़ताल में करीब एक मिलियन यानी 10 लाख से ज्यादा कामगारों के शामिल होने की उम्मीद है। यह देश में पिछले 10 वर्षों में सबसे बड़ी हड़ताल मानी जा रही है। हड़ताल के मुख्य कारण दक्षिण सरकार की रोजगार कानूनों में बदलाव की योजना है। मामले में कर्मचारी संघों का आरोप है कि सरकार के प्रस्तावित बदलाव कामगारों के हक और सुविधाओं को कम कर देंगे।

पाक पर फिर मेहरबान हुआ अमेरिका, एफ-16 लड़ाकू विमानों को अपडेट करने के लिए 686 मिलियन डॉलर में बेचेगा तकनीक

इस्लामाबाद,एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान को एफ–16 लड़ाकू विमानों को अपडेट करने के लिए 686 मिलियन अमेरिकी डॉलर में आधुनिक तकनीक की बिक्री को मंजूरी दी है। अमेरिकी रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) ने सोमवार को कांग्रेस को भेजे पत्र में यह मंजूरी दी। इस पैकेज में लिंक16 प्रणाली क्रिप्टोग्राफिक उपकरण, एवियोनिक्स अपडेट, प्रशिक्षण और व्यापक लॉजिस्टिक समर्थन शामिल हैं। डीएससीए के पत्र में बिक्री का कारण स्पष्ट किया गया है। इसमें कहा गया है कि यह अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगा, जिससे पाकिस्तान अमेरिकी और साझेदार बलों के साथ आतंकवाद विरोधी प्रयासों और भविष्य की आकस्मिक परिस्थितियों के लिए अंतर–संचालन बनाए रख सकेगा। इसका उद्देश्य पाकिस्तान के एफ–16 बेड़े को आधुनिक बनाना और परिचालन सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करना भी है। पत्र में जिक्र किया गया है कि यह वर्तमान और भविष्य के खतरों का सामना करने के लिए पाकिस्तान की क्षमता को बनाए रखेगा। पाकिस्तान के एफ–16 लड़ाकू विमान के ब्लॉक–52 और मिड लाइफ अपग्रेड मॉडल हैं, उन्हें अपडेट किया जाएगा। ये अपडेट पाकिस्तान वायु सेना और अमेरिकी वायु सेना के बीच युद्ध अभियानों, अभ्यासों और प्रशिक्षण में अधिक सहज एकीकरण और अंतर–संचालन प्रदान करेंगे। अपडेट विमानों के जीवनकाल को 2040 तक बढ़ाएगा और अहम उड़ान सुरक्षा चिंताओं को दूर करेगा। पत्र में कहा गया है कि पाकिस्तान ने तकनीक को अपनाने में उत्सुकता दिखाई है और देश अपनी सैन्य ताकत को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और उसे इन उपकरणों और सेवाओं को अपने सशस्त्र बलों में शामिल करने में कोई कठिनाई नहीं होगी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।